www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 42 || लखनऊ
मंगलवार
12 मई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:21
सूर्यास्तः 06:45
अधिकतमः 37°00
न्यूनतमः 27°00

पेज 03

विशेष समाचार

संवेदना से सुधरेंगे, केदारनाथ... >> पेज 02

योगी सरकार में उच्च शिक्षा को दी... >>पेज 04

रकुल प्रीत के वायरल वीडियो पर ...

‘दुनिया की कोई ताकत हमें झुका नहीं सकती’

पोखरण परमाणु परीक्षण को याद कर बोले पीएम मोदी

तमसा संकेत, एजेंसी

जामनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को गुजरात के सोमनाथ मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के 75 साल पूरे होने के मौके पर कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा- आज का दिन एक और वजह से भी खास है। आज के ही दिन 11 मई 1998 को देश ने पोकरण में परमाणु परीक्षण किया था। तब दुनिया भर की शक्तियां भारत को दबोचने मैदान में उतर गई थीं। PM ने कहा- भारत के लिए सारे रास्ते बंद कर दिए गए थे। लेकिन हम डरे नहीं, डटे रहे। भारत ने पोकरण परमाणु परीक्षण को ऑपरेशन शक्ति नाम दिया था। क्योंकि शिव के साथ शक्ति आराधना ही हमारी परंपरा रही है। मैं भगवान सोमनाथ के चरणों में नमन करते हुए ऑपरेशन शक्ति की बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एजुकेशन कैंपस सरदारधाम-3 का उद्घाटन करने वडोदरा आ रहे हैं। वे शाम करीब 6 बजे यहां पहुंचेंगे और उद्घाटन के बाद जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद दोपहर करीब साढ़े 3 बजे पीएम वडोदरा के लिए रवाना होंगे। वडोदरा में रोड शो के बाद 150 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित सरदार धाम-3 का उद्घाटन करेंगे। शैक्षणिक और आवासीय परिसर 'सरदारधाम-3' वडोदरा के बाहरी इलाके में पाटीदार समुदाय द्वारा निर्मित करवाया गया है। पूरा कैंपस 4,75,000 वर्ग फीट में फैला है। इसे पाटीदार समुदाय के 2,000 छात्रों के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें 1,000 लड़कों और 1,000 लड़कियों के लिए अलग-अलग हॉस्टल की भी व्यवस्था। इस परिसर में 278 कमरे, 400 सीटों वाली ई-लाइब्रेरी, 1,000 लोगों की कैपेसिटी वाला सभागार और जीपीएससी और यूपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ-साथ रक्षा और न्यायिक सेवाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण केंद्र हैं। आउटडोर और इनडोर गेम्स की भी सुविधा है। पिछले दो दिनों में पीएम के दौरे का गुजरात तीसरा राज्य है।

>> (शेष पेज 04 पर)

पीएम ने कहा- राष्ट्र जड़ों से जुड़ा रहे तभी मजबूत रह सकता है

PM ने कहा- सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट से सैकड़ों परिवार जुड़े हैं। गुजरात के बाकी हिस्सों में भी लोग आते हैं। यह मंदिर हमें हमारी जीवन जीने का तरीका सिखाती है। हमारी आस्था नदियों में, वृक्षों में है। हम जंगलों को भी श्रद्धा की दृष्टि से देखते हैं। आज जब दुनिया प्राकृतिक जीवनशैली की तरफ लौट रही है तो हमें जागरूक होना होगा। PV ने कहा- हम ऐसा जीवन अपनाएं जिससे प्राकृतिक शैली की रक्षा हो। जब नई पीढ़ियां अपने इतिहास और मूल्यों से जुड़ती हैं तब राष्ट्र का आत्मबल और मजबूत होता है। आज देश आगे बढ़ रहा है। उसमें हमारी सांस्कृतिक विरासत की बड़ी भूमिका है। सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि कोई भी राष्ट्र तभी लंबे समय तक मजबूत रह सकता है जब वह जड़ों से जुड़ा रहे।

सोमनाथ मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा के 75 साल पूरे होने के मौके पर डाक टिकट जारी किया।

जलाभिषेक के बाद महादेव को वस्त्र अर्पित कर आरती उतारी।

पीएम बोले- भारत को कोई झुका नहीं सकता, 5 मुख्य बातें ...

- सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि कोई भी राष्ट्र तब तक मजबूत नहीं बन सकता, जब तक वह अपनी जड़ों से जुड़ा न रहे।
- भारत में विरासत और आधुनिकता एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, दोनों साथ-साथ चलते हैं।
- हमारे देश में सांस्कृतिक और पवित्र स्थलों के पुनर्निर्माण को लेकर काफी राजनीति हुई है। दुर्भाग्य से आज भी ऐसी ताकतें हैं, जो राष्ट्रीय स्वाभिमान से ज्यादा तुष्टिकरण को महत्व देती हैं।
- लुटेरों ने सोमनाथ मंदिर की भव्यता मिटाने की कोशिश की। इस मंदिर को बार-बार तोड़ा गया, लेकिन हर बार इसका पुनर्निर्माण हुआ।
- दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती और न ही दबा सकती है।

ऑपरेशन शक्ति

ऑपरेशन शक्ति भारत के दूसरे परमाणु परीक्षणों का कोडनेम था।

इसे 11 और 13 मई 1998 को राजस्थान के पोकरण टेस्ट रेंज में किया गया।

भारत ने कुल 5 परीक्षण किए, जिनमें फिशन-थर्मोन्यूक्लियर परीक्षण शामिल थे।

उस समय भारत के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी थे।

इसकी सफलता के बाद भारत दुनिया के परमाणु शक्ति संपन्न देशों में शामिल हो गया।

मिशन में वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और डॉ. आर चिदंबरम की अहम भूमिका रही।

पीएम बोले- मुझे देश के तीर्थस्थलों के विकास का मौका मिला

PM ने कहा- आजादी के बाद सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की कोशिश की। उन्हें इसके लिए नेहरू का विरोध झेलना पड़ा। लेकिन ये सरदार साहब की इच्छाशक्ति थी कि वे डिगे नहीं। सोमनाथ फिर से बना और देश ने सदियों के कलंक को धो दिया। प्रधानमंत्री ने कहा- आज मुझे देश के सभी तीर्थों के विकास का मौका मिला है। यह सोमनाथ का ही आशीर्वाद है। विश्वनाथ, ओंकारेश्वर, केदारनाथ धाम का विकास हुआ है। अयोध्या में भव्य मंदिर में रामलला विराजमान हैं। ऐसे कितने ही तीर्थस्थल हैं जिनकी महिमा पुराणों में सुनी हैं। आज हमें उस समृद्ध परंपरा के दर्शन होने लगे हैं। ये सब 10-12 साल के अंदर हुआ है।

वाजपेयी सरकार में हुआ था दूसरा परमाणु परीक्षण

11 मई 1998 को अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में भारत ने अपना दूसरा परमाणु परीक्षण किया था। यह काफी गोपनीय ऑपरेशन था। इसकी तैयारियां इतनी गुप्त थीं कि विदेशी खुफिया एजेंसियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। इन परीक्षणों के जरिए भारत ने दुनिया को अपनी रणनीतिक और वैज्ञानिक ताकत दिखाई। लेकिन परमाणु परीक्षणों के बाद अमेरिका, जापान और कुछ पश्चिमी देशों ने भारत पर कई आर्थिक और तकनीकी प्रतिबंध लगाए थे। सरकारी खजाने से सोमनाथ मंदिर बनवाने के खिलाफ थे।

66 पीएम मोदी ने कहा, 'आज हम उनके धाम के पुनर्निर्माण का उत्सव मना रहे हैं। जो हलाहल पीकर नीलकंठ हो गए आज उनकी ही शरण में सोमनाथ अमृत महोत्सव हो रहा है। ये उनकी ही लीला है।'- लेकिन आज समय की यह यात्रा सुखद अनुभूति दे रही थी। कुछ महीने पहले ही हम सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मना रहे थे।

मोदी बोले- हमने दशकों तक सांस्कृतिक तीर्थ का महत्व नहीं समझा

PM ने कहा- कई शिवभक्त समय-समय पर सोमनाथ मंदिर का निर्माण करवाते रहे हैं। लकुलिश जैसे मनीषी ने प्रभास पाटण की विरासत को संरक्षित किया। भाव प्रहस्तपति, पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ की आध्यात्मिक परंपराओं को जीवित रखा। विशाल देव जैसे लोगों ने इसे सुरक्षित रखने का काम किया। अहिल्या बाई होल्कर जी समेत कई महान विभूतियां हैं जो सोमनाथ की सेवा में अपना सर्वस्व अर्पित करती हैं।

सभी ज्ञात-अज्ञात हुतात्माओं को नमन है। उनके प्रयासों से ही आज हमें यह दिन देखने मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा- हमारे सांस्कृतिक तीर्थ हजारों साल से भारत की पहचान रहे हैं। हमने दशकों तक उसका महत्व नहीं समझा। कई उदाहरण है जब राष्ट्रीय पहचान के स्मारकों को नष्ट कर दिया लेकिन वहां के लोगों ने उसे संवारा, पुनः प्रतिष्ठा की, लेकिन हमारे यहां ऐसे विषयों पर भी राजनीति होती है। सोमनाथ इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

19वीं सदी में आई पहली तस्वीर

15 मिनट का एयरशो, 182 किमी दूर से आएंगे वायुसेना के विमान

भारतीय वायु सेना की मशहूर सूर्य किरण एरोबेटिक टीम (SKAT) आज सोमनाथ मंदिर के ऊपर एक एयर शो करेगी। मुख्य आकर्षण वायु सेना के नासिक स्थित बेस रिपेयर डिपो की तरफ से बनाए गए 'स्मोक पॉड्स' होंगे।

ये पॉड्स केसरिया, सफेद और हरे रंग का धुआं छोड़कर आसमान में भारतीय तिरंगे की छवि बनाएंगे। विंग कमांडर जनमीत शर्मा ने बताया कि एरोबेटिक प्रदर्शन में लाल और सफेद रंग के हॉक Mk-132 विमान उड़ाने वाले पायलट फॉर्मेशन और हवाई करतब दिखाएंगे।

यह 15 मिनट का शो पायलटों की लड़ाकू विमानों को एक-दूसरे से बेहद करीब से उड़ाने की महारत को प्रदर्शित करेगा। विमान जामनगर वायु स्टेशन से उड़ान भरेंगे और लगभग 182 किलोमीटर की हवाई दूरी तय करके 18 मिनट के भीतर सोमनाथ पहुंचेंगे। ग्रुप कैप्टन अजय दशरथी के नेतृत्व वाली इस टीम में 13 पायलट शामिल हैं।

फास्ट न्यूज

सुप्रीम कोर्ट ने पेंडिंग जमानत याचिकाओं को लेकर सुझाव दिए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देश के अलग-अलग हाईकोर्ट में जमानत याचिकाओं की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि जमानत मामलों की जल्दी सुनवाई और फैसला करने के लिए मजबूत व्यवस्था बनानी जरूरी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि इसके लिए पेंडिंग बेल याचिकाओं की ऑटोमैटिक लिस्टिंग का सिस्टम तैयार किया जाए और मामलों के निपटारे की तय समय सीमा भी होनी चाहिए।

देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं : राहुल

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने सोमवार को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से निपटने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की हालिया 'सात अपीलों' पर पलटवार किया। उन्होंने इसे नाकामी करार दिया। कहा कि अब देश चलाना प्रधानमंत्री के बस में नहीं रह गया है। X पर एक पोस्ट में राहुल ने लिखा, 'कल मोदी जी ने जनता से त्याग मांगा। सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम इस्तेमाल करो, खाद और खाने के तेल का उपयोग घटाओ, मेट्रो से चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं हैं। ये विफलता हैं।' उन्होंने कहा, '12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है। क्या खरीदें, क्या नहीं। कहां जाए, कहां नहीं।'

पंजाब-दिल्ली के बीच मैच देखने उमड़ी भीड़

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित एचपीसीए स्टेडियम में IPL 2026 का 55वां मुकाबला पंजाब किंग्स (PBKS) और दिल्ली कैपिटल्स के बीच शुरू हो गया है। दिल्ली ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी है। इससे पहले धर्मशाला स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भर गया है। इसका फायदा उठाते हुए मैच से कुछ देर पहले एक व्यक्ति टिकट ब्लैक करते कैमरे में रिकॉर्ड हुआ।

शुभेंदु कैबिनेट के विभागों का बंटवारा

जिम्मेदारी

दिलीप घोष बने पंचायत मंत्री, अग्निमित्रा को भी अहम मंत्रालय

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा की नई सरकार में सोमवार को मंत्रालयों का बंटवारा किया गया है। PTI के मुताबिक, निषिथ प्रमाणिक को उत्तर बंगाल विकास, खेल और युवा कल्याण मंत्रालय सौंपा गया है। दिलीप घोष को ग्रामीण विकास, पशु संसाधन विकास, कृषि विपणन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अग्निमित्रा पॉल को महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, नगर निकाय विभाग दिए गए हैं। अशोक कीर्तनिया को खाद्य एवं आपूर्ति, सहकारिता मंत्रालय दिया गया है। क्षुदिराम टूडू को जनजातीय विकास, पिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक मामले और मदरसा शिक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पश्चिम बंगाल सरकार ने IAS अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल को राज्य का नया चीफ सेक्रेटरी नियुक्त किया है। यह आदेश 11 मई 2026 को जारी हुआ और अगले आदेश तक लागू रहेगा। अग्रवाल फिलहाल चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर और होम एंड हिल अफेयर्स विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं। सरकार ने कहा कि यह फैसला सार्वजनिक सेवा के हित में लिया गया है। उन्हें तुरंत नया कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य के आदिवासी समाज के विकास के लिए भी सरकार ने खास ध्यान रखा है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने क्षुदीराम टुडू को आदिवासी विकास मंत्री नियुक्त किया है। उनका मुख्य काम आदिवासी बहुल क्षेत्रों में योजनाओं को पहुंचाना और उनके अधिकारों की रक्षा करना होगा। कैबिनेट के इस विस्तार में अशोक कीर्तनिया को भी अहम भूमिका दी गई है। उन्हें खाद्य विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके कंधों पर राज्य में खाद्य आपूर्ति को सुचारू रखने और राशन व्यवस्था को ठीक करने का काम होगा। इस तरह सभी मंत्रियों को उनके विभाग सौंप दिए गए हैं। उनका कहना है कि नई सरकार शुरुआती चरण में ही प्रशासनिक सुधार और कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर स्पष्ट संदेश देना चाहती है। खासतौर पर डीए और वेतन आयोग को लेकर राज्य सरकारी कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही मांगों पर निर्णय संभव माना जा रहा है। इसके अलावा महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में विशेष निगरानी तंत्र और भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए नई व्यवस्था पर भी चर्चा हो सकती है।

यहां जीत का अंतर एसआईआर में कटे वोटों से कम, कोर्ट बोला- नई याचिकाएं लगाएं

टीएमसी 31 सीटों के नतीजों के खिलाफ पहुंची सुप्रीम कोर्ट

वोटवार

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/कोलकाता। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा, 'बंगाल में सीटों पर जीत का अंतर SIR में कटे वोटों से कम मामले में ममता बनर्जी और अन्य लोग नई याचिकाएं दाखिल कर सकते हैं।' TMC ने दावा किया कि हालिया विधानसभा चुनाव में 31 सीटों पर जीत का अंतर, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के दौरान हटाए गए वोटों की संख्या से कम था। दरअसल, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्या बागची की बेंच बंगाल में SIR को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इसी दौरान TMC सांसद और वकील कल्याण बनर्जी ने बागची की उस टिप्पणी का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि अगर जीत का अंतर हटाए गए वोटों से कम है, तो अदालत शिकायतों पर विचार कर सकती है।

बंगाल में 11.85% नाम हटे, ज्यादातर बांग्लादेश बॉर्डर के पास

पश्चिम बंगाल में अक्टूबर 2025 में कुल वोटर 7.66 करोड़ थे। इनमें से अब तक 90.83 लाख नाम हटाए गए। लगभग 11.85% वोटर कम हो गए। यानी अब राज्य में 6.76 करोड़ वोटर हैं। चुनाव आयोग ने फाइनल आंकड़े जारी नहीं किए हैं। इसके अलावा जांच के तहत आए 60.06 लाख वोटरों में से 27.16 लाख के नाम हटाए गए। बांग्लादेश सीमा से लगे जिलों में भी बड़े स्तर पर नाम हटे।

भाजपा को बंगाल में 207 सीटें मिलीं, पहली बार सरकार बनाई

हाल में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 294 में से 207 सीटें जीतीं हैं, जबकि TMC को 80 सीटें मिली हैं। इन चुनावों में राज्य में 90% से ज्यादा वोटिंग दर्ज की गई। भाजपा को कुल 2 करोड़ 92 लाख 24 हजार 804 वोट मिले हैं। तृणमूल कांग्रेस को 2 करोड़ 60 लाख 13 हजार 377 वोट मिले हैं। BJP को TMC से 32 लाख 11 हजार 427 ज्यादा वोट मिले हैं। यानी 293 सीटों के हिसाब से भाजपा को हर सीट पर औसत 10,960 वोट ज्यादा मिले।

राज्य में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) से कुल 91 लाख वोट कटे। यानी हर सीट पर औसतन 30 हजार वोटरों के नाम काटे गए।

>> (शेष पेज 04 पर)

वारदात : कोर्ट ने 13 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा, बिहार-यूपी से पकड़ाए, एक शार्पशूटर

बंगाल सीएम सुवेंदु के पीए हत्याकांड में 3 संदिग्ध गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता/पटना/लखनऊ। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के पर्सनल असिस्टेंट (PA) चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में बिहार और यूपी से 3 संदिग्ध गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस ने सोमवार को तीनों को नॉर्थ 24 परगना के बारासात कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें 13 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया। इनमें दो युवक- मयंक राज मिश्रा और विक्की मौर्य को बिहार के बक्सर, जबकि राज सिंह को उत्तर प्रदेश के अयोध्या से गिरफ्तार किया गया। पुलिस को शक है कि राज एक शार्पशूटर है। जांच में सामने आया कि आरोपियों तक पहुंचने में टोल प्लाजा पर किया गया एक UPI पेमेंट और CCTV फुटेज सबसे बड़ा सुराग बना। ऑनलाइन ट्रांजैक्शन से जुड़े मोबाइल नंबर के जरिए पुलिस आरोपियों तक पहुंची। बंगाल चुनाव नतीजों के दो दिन बाद, 6 मई को नॉर्थ 24 परगना के मध्यमग्राम में 42 साल के चंद्रनाथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमलावर ने उनकी कार रोककर कई राउंड फायरिंग की, जिसमें उन्हें सीने और पेट में तीन गोलियां लगीं। बंगाल एसटीएफ ने बिहार के बक्सर में कुख्यात अपराधी विशाल श्रीवास्तव से भी पूछताछ की। हालांकि, पूछताछ में हत्याकांड में उसकी सीधी संलिप्तता न पाए जाने पर एसटीएफ ने उसे छोड़ दिया। विशाल पर बक्सर जिले में हत्या, लूट और आर्म्स एक्ट सहित 22 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।

हत्या में 8 लोगों के शामिल होने का शक

जांच एजेंसियों का मानना है कि हत्या की साजिश और वारदात में कम से कम 8 लोग शामिल थे। आरोपियों ने वारदात से पहले कई दिनों तक रेकी की थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि हमलावरों की कार हत्या से पहले बाली टोल प्लाजा से गुजरी थी। यहां कार में मौजूद एक व्यक्ति ने UPI के जरिए टोल पेमेंट किया था। इसी डिजिटल ट्रांजैक्शन से जुड़े मोबाइल नंबर के जरिए पुलिस ने एक आरोपी की पहचान की और फिर बाकी आरोपियों तक पहुंच गई।

राज सिंह की मंत्री के साथ तस्वीरें

अयोध्या से गिरफ्तार राज सिंह बलिया का रहने वाला है। उसके बारे में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि वह नेता बनना चाहता था। ब्लॉक प्रमुख चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा था। उसका एक पोस्टर भी मिला है, जिसमें उसने खुद को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का प्रदेश महासचिव बताया है। उसके फेसबुक अकाउंट में मंत्री दयाशंकर सिंह के साथ की तस्वीरें भी हैं। पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह के साथ उसकी रील भी है।

>> (शेष पेज 04 पर)

बीएसएफ को बांग्लादेश बॉर्डर फेंसिंग के लिए जमीन मिलेगी

बंगाल की भाजपा सरकार का फैसला, नए आपराधिक कानून लागू होंगे

प्रक्रिया

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग के लिए BSF को जमीन देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध घुसपैठ से निपटने के लिए 45 दिन के भीतर यह जमीन गृह मंत्रालय को सौंप दी जाएगी। हावड़ा के नाबन्ना में नवनिर्वाचित BJP सरकार की पहली कैबिनेट बैठक हुई। CM अधिकारी ने कहा कि यह फैसला बैठक में लिए गए मुख्य प्रस्तावों में से एक था। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि TMC सरकार ने राज्य में पुराने IPC और CrPC की जगह नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता (BNS) को लागू नहीं किया था। राज्य में अब BNS लागू करने की आधिकारिक मंजूरी दे दी गई है। केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत और जन आरोग्य योजना भी पश्चिम बंगाल में भी लागू की जाएंगी। पहली कैबिनेट बैठक में मंत्री दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, निषिथ प्रमाणिक, क्षुदीराम और अशोक कीर्तनिया मौजूद थे। अभी तक मंत्रियों को विभाग नहीं बांटे गए हैं। चुनावी हिंसा में मारे गए 321 BJP कार्यकर्ताओं के परिवारों की जिम्मेदारी राज्य सरकार उठाएगी।

>> (शेष पेज 04 पर)

- बंगाल सीएम अधिकारी को हावड़ा में नाबन्ना में पदभार ग्रहण करने के बाद 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।
- राज्य सचिवालय नाबन्ना में सीएम सुवेंदु अधिकारी के साथ कैबिनेट के सभी 6 मंत्री भी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

तमिलनाडु में राजनीति की नयी इबारत

तमिलनाडु की राजनीति में बड़े बदलाव रविवार, 10 मई 2026 से शुरु हुआ है। लगभग 50 सालों से यहां द्रमुक और अन्नाद्रमुक की बारी-बारी से चली आ रही सत्ता की परंपरा टूटी है और गैर-द्रविड़ पार्टी टीवीके की सरकार बनी है। 2024 में तमिला वेत्री कषगम यानी टीवीके को खड़ा करने वाले मशहूर अभिनेता और थलपति या दलपति के नाम से चर्चित जोसेफ विजय अब तमिलनाडु के नये मुख्यमंत्री बन चुके हैं। रविवार को कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की खास मौजूदगी और अपने अन्य सहयोगी दलों के नेताओं के बीच विजय ने चेन्नई में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस दौरान विजय की पोशाक भी चर्चा में रही। आमतौर पर तमिलनाडु में नेता सफेद कुर्ते, शर्ट और धोती में नजर आते हैं, लेकिन विजय ने सफेद शर्ट, ब्लेजर और काली पैंट पहनकर शपथ ली। नए मुख्यमंत्री विजय ने केवल पोशाक में बदलाव नहीं किया, बल्कि उन्होंने तमिलनाडु की राजनीति में एक नए बदलाव की बात भी कही। शपथ लेने के बाद अपने पहले भाषण में विजय ने कहा, 'यह एक नई शुरुआत है। अब असली धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय का एक नया दौर शुरू हो रहा है।' उन्होंने कहा, 'मैं किसी शाही परिवार में पैदा नहीं हुआ हूं; मैं आप ही के बेटे, आप ही के भाई जैसा हूं- मैं आपका 'थंबी' (छोटा भाई) हूं।' उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि गरीबी और भूख क्या होती है।' विजय ने यह भी कहा कि, 'मैं कोई फ़रिश्ता नहीं, बल्कि एक आम इंसान हूं।' खुद को फरिश्ता न मानना संभवतः नरेन्द्र मोदी के खुद को नॉन बायलॉजिकल कहने का जवाब हो। वहीं गरीबी और भूख से अपना पुराना नाता बताकर विजय ने नरेन्द्र मोदी के गरीब मां का बेटा और चायवाला होने के पैंतरे का भी जवाब दे दिया है। दक्षिण भारत में भाजपा की हालत यूं भी कुछ खास अच्छी नहीं है। आंध्रप्रदेश में भाजपा को तेलुगूदेसम पार्टी (टीडीपी) का आसरा है और पुडुचेरी में अपनी सरकार है। इसके अलावा केरल में उसे कांग्रेस से मात मिली है। तेलंगाना और कर्नाटक में भी कांग्रेस की सरकार है। तमिलनाडु से ही भाजपा को उम्मीदें थीं कि यहां उसे भले एक सीट मिली है, लेकिन किसी भी दल को पूर्ण बहुमत न होने का लाभ आखिर में उसे ही मिलेगा और वह अन्नाद्रमुक के सहारे सत्ता पर पकड़ बनाएगी। लेकिन राहुल गांधी ने भाजपा की चालाकी तमिलनाडु में चलने नहीं दी। 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी टीवीके को कांग्रेस ने तुरंत ही अपना समर्थन दे दिया था कि वह सरकार बनाने का दावा पेश कर दे। लेकिन राज्यपाल राजेन्द्र अर्लेकर इसी बात पर अड़े रहे कि टीवीके बहुमत के आंकड़े यानी 118 विधायकों के हस्ताक्षर लेकर आए, तभी सरकार बनाने का दावा मंजूर होगा। कम से कम तीन बार विजय को राजभवन से खाली हाथ लौटाया गया। लेकिन शनिवार शाम तक परिस्थितियां पूरी तरह विजय के पक्ष में बन गईं। कांग्रेस के अलावा माकपा, भाकपा, वीसीके और आईयूएमएल इन सबने भी टीवीके के लिए समर्थन पत्र सौंप दिया और तय हो गया कि अब विजय मुख्यमंत्री बन सकते हैं। इसके बाद बिना समय गंवाए रविवार सुबह शपथग्रहण हो भी गया। यह जल्दीबाजी करना लाजिमी भी था, क्योंकि भाजपा का कुख्यात इतिहास रहा है कि वह सत्ता हथियाने के लिए विधायक तोड़कर सुबह चार बजे भी शपथ ग्रहण करवा सकती है। बहरहाल, अब तमिलनाडु भाजपा के इस खेल के खतरे से सुरक्षित है। लेकिन भविष्य में विजय को काफी सावधानी बरतनी होगी। चुनाव बाद बने इस गठबंधन के तमाम घटक दल विजय के साथ इसी नाम पर आगे आए हैं, क्योंकि उन्हें भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति से तमिलनाडु को बचाना है। ये दल नहीं चाहते थे कि राज्य में राष्ट्रपति शासन या दोबारा चुनाव की नौबत आए। अब विजय के ऊपर यह जिम्मेदारी है कि वे जनता के साथ-साथ सहयोगी दलों के भरोसे को भी बनाए रखें। यहां फिल्मों जैसा हाल नहीं चल पाएगा, जहां नायक अकेले अपने दम पर दुश्मनों से दो-दो हाथ करता है। सरकार में विजय अकेले नहीं रहेंगे, घटक दलों का दबाव उन पर लगातार बना रहेगा, इसके साथ ही उन्हें आगे बढ़ना होगा। इसके अलावा केंद्र सरकार से टकराव की भी प्रबल संभावनाएं हैं। तमिलनाडु में विजय की सरकार बनने और राहुल गांधी के साथ आने पर नरेन्द्र मोदी कितना चिढ़ चुके हैं, इसकी झलक उनके एक भाषण में मिली, जब उन्होंने कांग्रेस को सत्ता का भूखा, पीठ में छुरा घोंपने वाली और परजीवी पार्टी बताया। श्री मोदी ने कहा कि, '2014 से पहले 10 सालों तक जिस सरकार का नेतृत्व कांग्रेस ने किया, वह काफी हद तक डीएमके की वजह से ही चल पाई। इसके बाद भी, उसे उस पल धोखा दे दिया गया, जब राजनीतिक हवा का रुख बदला।' तमिलनाडु में नयी सरकार बनने से तिलमिलाए नरेन्द्र मोदी कांग्रेस को सरकार में शामिल होने से नहीं रोक पाए, तो अब कांग्रेस और डीएमके की दोस्ती याद दिला रहे हैं। हालांकि जब उन्होंने शिवसेना को तोड़ा, अकाली दल और बीजू जनता दल को अलग किया, रामविलास पासवान की मौत के बाद उनका अपमान किया और फिर चिराग पासवान को साथ ले लिया, पीडीपी के साथ मिलकर सरकार बनायी और फिर उसका विरोध भी किया, तब उन्हें इस बात की फिक्र नहीं रही कि वो सत्ता में बने रहने के लिए किन लोगों को धोखा दे रहे हैं।

संवेदना से सुधरेंगे, केदारनाथ यात्रा के संकट

> एक मौसम वैज्ञानिक के अनुसार यदि बादल विस्फोटों की चेतावनियां दी भी जा सकें तो उन पर अमल के लिये दो-तीन घंटों का ही समय मिलता है। इसके अलावा पहाड़ी ढलानों में पानी व मलवा के बहाव में तेजी होती है। वर्ष 2013 की केदार आपदा के प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चंद सेकेण्डों में ही रामबाड़ा में मकान, आदमी, वाहनों, जानवरों को बाढ़ बहा ले गई थी।

केदारनाथ समुद्र तल से करीब 11,750 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। मंदाकिनी नदी इसकी सीमा पर है। वर्ष 2026 के 22 अप्रैल को केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के ग्यारह दिन पहले मंदिर के पीछे के ग्लेशियल क्षेत्र से भारी भूस्खलन हुआ है। गौरीकुंड से केदारनाथ तक के पैदल मार्ग में आती बाधाओं को दूर किया जा रहा है। वर्ष 2024 के 30 जून को केदारनाथ मंदिर के दर्शन के लिए आये श्रध्दालुओं ने पांच बजे सुबह बर्फ की बौछार मंदिर के पीछे गांधी सरोवर के क्षेत्र में देखी। कुछ का कहना था कि उन्हें लगा बर्फ के पहाड़ ही टूट गये हों। वर्ष 2022-23 में भी कहते हैं ऐसा हुआ था। जून-जुलाई 2024 का संदर्भ हो या आज का अथवा केदारनाथ महा त्रासदी 2013 का, केदारनाथ पैदल मार्ग के पास के क्षेत्रों में पारिस्थिति-कीय जोखिमों में बढ़ोत्री ही हो रही है। 31 जुलाई 2024 को लिंचैली जंगल चट्टी के ऊपर बादल विस्फोट से लिंचैली व भीमबली में बेहद खौफनाक मंजर दिखा था। केदारनाथ से गौरीकुंड के बीच हजारों यात्री फंसे हुये थे। लिंचैली में फंसे यात्री ज्यादा मुसीबत में थे क्योंकि न सिर्फ मंदाकिनी नदी, बल्कि बगल के पहाड़ से आता नाला भी पानी के साथ मलवा ला रहा था। ऐसी घटनाओं को आम कहने का प्रचलन बहुत बढ़ गया है। पूरा तंत्र ऐसे बयान देने लगता है। यदि ये सामान्य हो गई हैं, तो जलवायु बदलाव के दौर में केदारनाथ धाम की सुरक्षा के लिये विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है, लेकिन अब इतनी सुविधायें जुटा ली गई हैं कि प्रतिदिन वहां बीस-पच्चीस हजार यात्री समा सकते हैं। इतने ही रास्तों पर भी रहते हैं। इससे सीमित क्षेत्र में हजारों इंसानों की उपस्थिति व गतिविधि से 'हीट आइलैंड्स' बनने की संभावनायें बढ़ी हैं। खुद यात्री कहते हैं अब तेज धूप झेलना मुश्किल होता है। पता नहीं केदारनाथ के तापक्रम परिवर्तन पर अलग से अध्ययन हुये हैं कि नहीं, किन्तु पूरे हिंदुकुश हिमालय पर ही जलवायु बदलाव के खतरे बढ़े हैं। पश्चिमोत्तर हिमालय में 1991 के बाद औसत तापमान 0.66 डिग्री सेंटीग्रेड बढ़ गया है। हिमालयी ग्लेशियरों के पिघलने की दर दुगुनी हो गई है और पहाड़ बर्फ-विहीन हो रहे हैं, परन्तु केदारनाथ जैसी जगहों के आसपास यदि ये होता है तो हम वैश्विक वजहों से इसे होना नहीं कह सकते। वैश्विक कारणों के साथ उन पर स्थानीय आघाती कारण भी जुड़ रहे हैं। फरवरी 2021 में नीति घाटी में ग्लेशियर टूटने से धौली गंगा में भारी बाढ़ आई थी। केदारपुरी जिस भूखण्ड में बसी है उसके नीचे हिमोड और भूस्खलनों का मलबा है। इस क्रम में यहां के 'ड्रैनेज पैटर्न' पर भूमिगत जल-प्रवाह, भण्डारित जलराशि की स्थिति व 'सरफेस रनऑफ' के पैटर्न व आंकड़ों का अध्ययन करिये। इन विश्लेषणों से समझा जा सकता है कि भू-धंसाव के जोखिम के बीज तो यहां ही जम रहे हैं। तेज बारिश में तात्कालिक रिसाव से भले ही बच जायें, परन्तु जमीन में जल का रिसाव भूमिगत मिटटी, चट्टानों की दरारों, अपभ्रंशों आदि की मार्फत कमजोर करता है। ऐसे में भूस्खलन व भू-धंसाव की समस्या बढ़ जाती है। हेलीकॉप्टरों की आवाजाही भी यहां काफी हो रही है, निर्माण कार्यों का भार भी बढ़ रहा है। भूकम्प सक्रिय क्षेत्र तो यह है ही। सेवानिवृत्त मेजर जनरल भुवनचंद्र खंडूरी मुख्यमंत्री से पहले एक विशेषज्ञ इंजीनियर थे। महाआपदा के बाद सितम्बर 2013 में जब कांग्रेस की राज्य सरकार ने 'केदारनाथ विकास प्राधिकरण' बनाने की मंशा जाहिर की तो उन्होंने इस पर आपत्ति जताई थी। उनका कहना था कि 2008 में उनकी सरकार ने केदारनाथ, बदरीनाथ के आसपास निर्माणों पर पूरी तरह रोक लगा दी थी। जरूरत यह भी है कि मंदाकिनी नदी के 'फ्लड-जोन' से छेड़छाड़ न हो। यह हिम-पोषित नदी है। दिसम्बर, जनवरी, फरवरी में गिरी बर्फ इसके लिये महत्वपूर्ण होती है। इसे बरसात, हिमनद और पिघलती बर्फ सभी से पानी मिलता है, किन्तु इसमें 'ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट' से जोखिम भी पैदा हो रहे हैं। उत्तराखंड में ग्लेशियरों का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रह गया है। पगडंडी मार्गों पर हिमस्खलन का जोखिम हर साल बढ़ रहा है। लगभग हर साल ही पुराने पैदल मार्ग को चालू करने की तैयारियों के साथ मार्ग के हिमस्खलनों से सतर्क रहने की आधिकारिक चेतावनी भी आ जाती है। ऐसी चेतावनियों से कहीं श्रद्धालुओं की आमद कम न हो जाये, इसलिये लोग राहों पर हिमनदों के टुकड़ों के जोखिमों को अब सामान्य भी कहने लगे हैं, किन्तु तथ्य है कि ग्लेशियरों के टूटने की ही तरह ग्लेशियरों का फिसलकर बस्तियों व मोटर मार्गों या ट्रैकिंग राहों में आकर जान-माल का नुकसान करना पूरे भारत में बढ़ा है। मार्च 2021 में पिथौरागढ़ में ही दारमा घाटी में ऐसा हो चुका है। चार अप्रैल 2023 को उत्तरपूर्वी सिक्किम में जवाहरलाल नेहरू हाइवे पर, जो राजधानी गंगटोक व चीन सीमा पर स्थित नाथूला दर्रे व लोकप्रिय पर्यटन स्थल नाथूला को भी जोड़ता है, सुबह ग्यारह बजे पहुंचे ग्लेशियर ने 35 पर्यटकों व उनके वाहनों को चपेट में ले लिया था और सात पर्यटकों की मृत्यु हो गई थी। जलवायु बदलाव के कारण आज ऊंचाइयों में भी हिमपातों की जगह बरसात हो रही है। जून 2013 की आपदा की बात करें तो उत्तराखंड के संदर्भ में वह शुरुआती मानसून ही था। केदारधाम जैसे हिमालयी क्षेत्रों में लगातार हेलीकाप्टरों की उड़ानों व भूकम्पकीय झटकों से ताजी बर्फ के फिसलाव व टूटन का खतरा तो रहेगा ही। केदारघाटी में जगह-जगह सड़कों पर भूस्खलन ही नहीं, भू-धंसाव, मलबा फिसलाव व भू-कटाव के जोन भी बने हैं। जुलाई-अगस्त में ये काफी सक्रिय हो जाते हैं। ऐसे में बंद रास्तों को खोलने के लिये मलवे को हर बरसात में नदी में इसी तरह उड़ेला जाता रहा तो मंदाकिनी राह बदल सकती है। पहले भी ऐसा हो चुका है। अगस्त 2024 में भीमबली एयरपोर्ट के पास पहाड़ी में हुये भारी भूस्खलन से मंदाकिनी में जलप्रवाह रुक गया था। इससे वहां एक झील ने आकार ले लिया था, हालांकि धीरे-धीरे स्वतः झील से नदी जल के बाहर निकलने से खतरा टल गया था, किन्तु झील टूटने से जान-माल की क्षति न हो इसलिये गौरीकुण्ड से रूद्रप्रयाग तक नदी के किनारे रहने वालों को अलर्ट कर दिया गया था। उन पहाड़ियों की दरारों में, जिन पर मलबा टिका है, बरसाती पानी के घुसने से फैलाव आ जाता है। दरार के खण्डित भूखण्डों का टूटना तेज हो जाता है। परिणामस्वरूप भूस्खलन व मलवा बिखराव पुनः प्रारंभ हो जाता है। ऐसे में वैज्ञानिकों की राय से बरसाती जल की उचित ड्रैनेज व्यवस्था बनाना जरूरी है। जलवायु बदलाव के कारण शीतकालीन वनाग्नियां पूरे उत्तराखंड की ही तरह केदारनाथ सेंक्चुरी क्षेत्र में भी बढ़ी हैं। केदारनाथ में वन्यजीवों का संवेदी उच्च हिमालयी क्षेत्र लगभग दस हजार वर्ग किलोमीटर्स का है। केदारपुरी के समीप का यह क्षेत्र बचा ही रहना चाहिये, किन्तु व्यवसायिक हवाई मार्गों और अतिशय हवाई उड़ानों को इनके ऊपर से गुजरना पारिस्थितिक जोखिमों को बढ़ा रहा है। मई 2023 की शुरूआत में दो दिन में तीन हिमस्खलनों से ये मार्ग बाधित रहा था।

■ वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

जन सुराज का...

डॉ. ऋतु सारस्वत

भारतीय राजनीति का बदलता चेहरा

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणामों ने इस बार केवल सत्ता का गणित नहीं बदला, बल्कि लोकतंत्र के अर्थ को भी एक नई सामाजिक व्याख्या दी है। आसग्राम से कलिता माझी, हिंगलगंज से रेखा पात्रा और पनिहाटी से रत्ना देवनाथ जैसी महिलाओं की जीत केवल चुनावी सफलता नहीं है। यहां एक घरेलू सहायिका है, एक श्रमिक और वंचित वर्ग से आई महिला है तो एक ऐसी मां भी है जिसने अपनी निजी पीड़ा और सामाजिक अपमान को अपनी शक्ति और दृढ़निश्चय में बदल दिया। इन महिलाओं की उपस्थिति भारतीय राजनीति के उस बदले हुए चेहरे को सामने लाती है, जहां पहली बार हाशिए पर खड़ी दिखाई देने वाली स्त्रियां सत्ता और प्रतिनिधित्व के केंद्र में दिखाई देने लगी हैं। इन महिलाओं की जीत को यदि हम मात्र चुनावी परिणाम के रूप में देखेंगे तो यह हमारी सामाजिक दृष्टि की असफलता होगी। चुनावी आंकड़ों और राजनीतिक विमर्शों से परे इन महिलाओं की जीत नारी सशक्तीकरण का हस्ताक्षर है। यही वह नारी सशक्तीकरण है, जिसका आह्वान स्वतंत्रता के बाद से लगातार किया जाता रहा है और जिसकी चर्चा बौद्धिक तथा वैचारिक वर्ग वर्षों से करता आया है। कलिता माझी, रेखा पात्रा और रत्ना देवनाथ जैसी महिलाओं की जीत के साथ स्वाभाविक अपेक्षा यह थी कि भारत में नारीवादी विचारधारा के समर्थक और उसके मुखर प्रवर्तक खुलकर इनके साथ खड़े दिखाई देंगे। यह अपेक्षा इसलिए भी थी, क्योंकि वर्षों से स्त्री-प्रतिनिधित्व, राजनीतिक भागीदारी और नेतृत्वकारी उपस्थिति को लेकर निरंतर आवाज उठाई जाती रही है। किंतु आश्चर्य यह है कि तमाम डिजिटल मीडिया मंचों से लेकर वैचारिक और बौद्धिक विमर्शों तक एक विचित्र-सी चुप्पी दिखाई देती है। वे स्वर, जो सामान्यतः स्त्री-अधिकारों और महिला नेतृत्व के प्रश्न पर अत्यंत मुखर दिखाई देते हैं, आज कहीं खो से गए हैं। नारीवादी चिंतक नैंसी फ्रेजर अपने चर्चित निबंध 'फ्राम रीडिस्ट्रि-ब्यूशन टू रिकग्निशन?' में इस बात पर गंभीर प्रश्न उठाती हैं कि यदि नारीवाद केवल कुछ सफल और विशेषाधिकार प्राप्त महिलाओं की उपलब्धियों तक सीमित रह जाए तो वह समाज की वास्तविक असमानताओं को नहीं बदल सकता।

शायद यही कारण है कि जब साधारण और संघर्षपूर्ण जीवन से निकली महिलाएं राजनीति और सार्वजनिक नेतृत्व तक पहुंचती हैं तो समाज उन्हें उतनी सहजता से स्वीकार नहीं कर पाता, जितनी सहजता से प्रभावशाली और संपन्न पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाओं को स्वीकार करता है। बेल हुक्स ने अपनी पुस्तक 'फेमिनिस्ट थ्योरी : फ्राम मार्जिन टू सेंटर' में लिखा है कि मुख्यधारा का नारीवादी विमर्श लंबे समय तक मुख्यतः विशेषाधिकार प्राप्त महिलाओं के अनुभवों के इर्द-गिर्द केंद्रित रहा। शायद यही कारण है कि श्रम, अभाव और संघर्ष से निकली महिलाओं को वह सहज स्वीकार्यता, प्रशंसा और मान्यता नहीं मिल पाती, जो प्रभावशाली और संपन्न पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाओं को अपेक्षाकृत आसानी से प्राप्त हो जाती है। भारत की कोई भी राजनीतिक विचारधारा अथवा दल जब दलित, वंचित और संघर्षशील महिलाओं को मुख्यधारा की राजनीति तक पहुंचाने का अवसर देता है, तब सबसे पहले उन महिलाओं के साहस और संघर्ष को सम्मान मिलना चाहिए। उन्हें केवल किसी राजनीतिक दल के चश्मे से देखकर मौन हो जाना शायद उस व्यापक सामाजिक उद्देश्य को सीमित कर देना है, जिसकी बात दशकों से की जाती रही है। नारीवाद का उद्देश्य केवल स्त्रियों को प्रतिनिधित्व दिलाना नहीं, बल्कि लैंगिक शोषण और दमन की संरचनाओं को समाप्त करना है। स्त्री संघर्ष को केवल वैचारिक विमर्शों तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता, उसे उन महिलाओं के जीवनानुभवों, वर्गीय संघर्षों और सामाजिक यथार्थ के साथ भी जोड़कर समझना होगा, जो हाशिए से निकलकर नेतृत्व तक पहुंचती हैं। तब उसका प्रभाव केवल निजी उपलब्धि तक सीमित नहीं रहता। यह स्थिति समाज की लोकतांत्रिक कल्पना, स्त्री आकांक्षाओं और प्रतिनिधित्व की पारंपरिक सीमाओं को भी बदलती है।

विडंबना यह है कि स्त्री-प्रतिनिधित्व और महिला नेतृत्व की चर्चा करने वाले समाजों में भी, जब अत्यंत साधारण, श्रमिक या सामाजिक रूप से उपेक्षित पृष्ठभूमि की महिलाएं राजनीति में पहुंचती हैं तो उनकी उपस्थिति को लेकर एक सूक्ष्म असहजता दिखाई देने लगती है। समस्या केवल स्त्री के राजनीति में आने की नहीं होती, बल्कि इस बात की भी होती है कि वह किस वर्ग और किस सामाजिक पृष्ठभूमि से आई है। समय आ गया है कि स्वयं को नारीवाद का समर्थक कहने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर झांककर यह प्रश्न पूछे कि क्या वह कहीं चयनात्मक नारीवाद का शिकार तो नहीं। क्या वह वास्तव में हर उस महिला के साथ खड़ा है, जो वंचना, श्रम और सामाजिक उपेक्षा से निकलकर नेतृत्व तक पहुंचती है या फिर उसका समर्थन केवल उन महिलाओं तक सीमित रह जाता है, जिनसे वह वैचारिक या सामाजिक रूप से सहज महसूस करता है। यदि स्त्री संघर्ष और महिला नेतृत्व को भी पसंद-नापसंद तथा वैचारिक सुविधा के आधार पर स्वीकार किया जाएगा तो वह नारीवाद नहीं, बल्कि चयनात्मक नारीवाद बनकर रह जाएगा।

वेब सीरीज...

सुभाष शिरढोनकर

ओटीटी के सुपर स्टार हैं अमित सियाल

1 जुलाई 1975 को उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक पंजाबी परिवार में पैदा हुए एक्टर अमित सियाल अब तक अनेक हिंदी फिल्मों और ओटीटी सीरीज में नजर आ चुके हैं। अमित सियाल पेरेंट्स के सामने खुद को साबित करने के लिए काम की तलाश में महज 21 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलिया चले गए। वहां जाकर उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए कई छोटी-मोटी नौकरियां कीं। ऑस्ट्रेलिया में रहते हुए उनकी मुलाक़ात एक्टर रणदीप हुड्डा से हुई। कुछ और मुलाकातों के बाद दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो गई। अमित सियाल मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया की स्विनबर्न यूनिवर्सिटी से इंटरनेशनल बिजनेस में पोस्टग्रेजुएशन डिप्लोमा करने के बाद साल 2002 के आखिर में भारत लौट आए। दिल्ली जाकर अमित ने एक एक्टिंग स्कूल में एक्टिंग कोर्स किया। इस दौरान वे थियेटर से जुड़े रहे। एक बार जब एक्टिंग शुरू की तो अमित को लगा कि अब वे एक भी दिन के लिए इससे अलग नहीं रह सकेंगे। साल 2004 में अमित को रणदीप हुड्डा का मुंबई से कॉल आया।

उन्होंने अमित के लिए किसी मेकर के साथ एक किरदार के लिए बात पक्की कर ली थी। ऐसे में अमित मुंबई आ गए। लेकिन बदकिस्मती से वह फिल्म शुरू नहीं हो सकी। उसके बाद अमित को डायरेक्टर तनुजा चंद्रा की एक फिल्म मिल गई। इस फिल्म में उन्हें एक्ट्रेस महिमा चौधरी के साथ स्क्रीन शेयर करने का अवसर मिला। लेकिन फिल्म को बनने में लंबा वक्त लग गया। उसके बाद फिल्म को हाथ लगाने के लिए कोई वितरक तैयार नहीं हुआ और फिल्म रिलीज नहीं हो सकी।

इसके बाद अमित को एक नए सिरे से शुरूआत करनी पड़ी। अमित की सबसे पहले रिलीज होने वाली फिल्म 'होम एंड ए लिटिल सुगर' (2006) थी जिसमें उन्होंने काफी छोटा किरदार निभाया था। अमित सियाल थियेटर के साथ ही साथ 'लव सेक्स और धोखा' (2010) और 'चार्ली के चक्कर में' (2015) जैसी फिल्मों में छोटे-छोटे किरदार करते रहे। अजय देवगन की फिल्म 'रेड' (2018) में अमित को पहली बार लल्लन सुधीर के किरदार में पहचाना गया। इसके बाद 'केसरी चैप्टर 2' रेड 2 (2025) और 'राहू केतु' (2026) जैसी फिल्मों में उन्हें अपेक्षाकृत बड़े और दमदार किरदार मिलने लगे। फिल्मों से ज्यादा कामयाबी अमित को ओटीटी पर मिली। वेब सीरीज 'इनसाइड एज' (2017) से उन्होंने ओटीटी पर डेब्यू किया। और अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज इस देवेन्द्र मिश्रा के किरदार में उन्होंने हर किसी का दिल जीत लिया।

'इनसाइड एज' (2017) के बाद अमित ने फिर कभी मुड़कर नहीं देखा। वेब सीरीज 'मिर्जापुर' (2018) में राम शरण मौर्या 'जामतारा – सबका नंबर आएगा' (2020) में बृजेश भान 'महारानी' (2021) में नवीन कुमार, 'काठमांडू कनेक्शन' (2021) में समर्थ कौशिक और 'इंसपेक्टर अविनाश' (2023) में अजीमुद्दीन गुलाम शेख के शानदार किरदार निभाए।

अमित सियाल फिल्म इंडस्ट्री के शानदार एक्टर तो हैं ही लेकिन आज उनका नाम ओटीटी के सुपर स्टार्स की फैहरिस्त में भी शामिल है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

ललित गर्ग

बढ़ते अपराध और अपराधमुक्त समाज निर्माण की चुनौती

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़े केवल सांख्यिकीय दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज के उस अंधेरे और भयावह चेहरे को सामने लाते हैं, जिसे अक्सर विकास, आधुनिकता और राजनीतिक उपलब्धियों की चमक में छिपा दिया जाता है। वर्ष 2024 के अपराध आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर चाहे जितनी प्रगति कर रहा हो, लेकिन सामाजिक और नैतिक स्तर पर अनेक गंभीर चुनौतियों से घिरा हुआ है। जब देश में हर 17 मिनट में हत्या, हर पांच मिनट में अपहरण, हर 18 मिनट में बलात्कार और लगभग हर दो मिनट में आर्थिक अपराध या धोखाधड़ी हो रही हो, तब यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह पूरे सामाजिक ढांचे, नैतिक मूल्यों और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा हो जाता है। आज हम विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विश्वगुरु भारत का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह सपना तभी साकार हो सकता है, जब समाज भयमुक्त, हिंसामुक्त और अपराधमुक्त बने। अपराधों से ग्रस्त समाज कभी स्वस्थ, संतुलित और आदर्श समाज नहीं बन सकता। यदि समाज का वातावरण असुरक्षा, भय, अविश्वास और हिंसा से भरा होगा, तो विकास की सारी योजनाएं खोखली सिद्ध होंगी। एनसीआरबी के आंकड़े हमें चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते अपराधों की जड़ों को नहीं पहचाना गया और उन पर कठोर अंकुश नहीं लगाया गया, तो यह स्थिति भविष्य में और अधिक विस्फोटक हो सकती है।

विशेष चिंता का विषय महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध हैं। राजस्थान का लगातार छठे वर्ष महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में शीर्ष पर बने रहना अत्यंत चिंताजनक है। बलात्कार के मामले में यह पहले स्थान पर, जबरन गर्भपात में दूसरे और भ्रूण हत्या में तीसरे स्थान पर है। विवाह के लिए महिलाओं के अपहरण के मामलों में भी राजस्थान चैथे नंबर पर है। इस अपराध में बिहार टॉप, यूपी दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर है। बिहार 'पकड़वा विवाह' के लिए भी बदनाम है, जिसमें पुरुषों का अपहरण कर जबरन शादी कर दी जाती है। यदि प्रति लाख आबादी के लिहाज से हत्या की दर का विश्लेषण किया जाए तो झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य टॉप पर हैं और उत्तर प्रदेश जैसा बड़ा और अपराधों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाला राज्य 12वें स्थान पर। इस मामले में मध्यप्रदेश छठे और राजस्थान सातवें पायदान पर खड़ा है। बलात्कार, भ्रूण हत्या, जबरन गर्भपात और विवाह के लिए अपहरण जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि सामाजिक चेतना और नैतिक संस्कारों में गंभीर गिरावट आई है। महिलाओं के प्रति सम्मान, संवेदना और सुरक्षा की भावना कमजोर हुई है।

यह विडंबना ही है कि एक ओर हम 'नारी शक्ति' और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान चला रहे हैं, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आंकड़े भयावह रूप लेते जा रहे हैं। यह केवल कानून की कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की विकृति का भी परिणाम है। आज अपराध का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। पहले अपराध सड़कों और गलियों तक सीमित थे, लेकिन अब इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने अपराध को नया चेहरा दे दिया है। साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और डेटा चोरी जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। यह 'सॉफ्टवेयर क्राइम' का नया युग है, जहां अपराधी बिना हथियार और बिना जोखिम उठाए करोड़ों की ठगी कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि अब केवल परंपरागत पुलिसिंग से काम नहीं चलेगा। पुलिस और जांच एजेंसियों को डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर सुरक्षा और डेटा एनालिटिक्स जैसे आधुनिक साधनों से लैस करना होगा। अपराध की नई दुनिया से लड़ने के लिए नई सोच और नई तकनीक की जरूरत है।

हालांकि कुछ संगीन अपराधों में मामूली कमी दर्ज की गई है, लेकिन इसे बहुत बड़ी उपलब्धि मान लेना आत्मप्रवंचना होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि नई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद कई अपराधों को संज्ञेय अपराधों की सूची से हटाया गया है, जिससे आंकड़ों में कमी दिखाई दे रही है। इसलिए अपराध के आंकड़ों का केवल सतही अध्ययन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी गहराई से समीक्षा और विश्लेषण आवश्यक है। हमें यह समझना होगा कि अपराध केवल कानूनी समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारणों से पैदा होने वाली जटिल चुनौती है। अपराध के बढ़ने में सबसे बड़ा कारण नशा है। आज तो महिलाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति अधिक चिन्ताजनक है। सबसे गंभीर संकेत विद्यार्थियों और बेरोजगार युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं के मामले हैं। यह स्थिति बताती है कि समाज में निराशा, असुरक्षा और भविष्य के प्रति अनिश्चितता का वातावरण गहराता जा रहा है। बेरोजगारी, प्रतिस्पर्धा, शिक्षा का बढ़ता दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं और सामाजिक तुलना युवाओं को मानसिक तनाव की ओर धकेल रही हैं। जब युवा अपने जीवन को अर्थहीन समझने लगें, तब यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए खतरे की घंटी होती है। इसलिए अपराध और आत्महत्या जैसी समस्याओं को केवल पुलिस या अदालतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए शिक्षा, परिवार, समाज और शासन-सभी को मिलकर काम करना होगा। अपराध बढ़ने के पीछे एक बड़ा कारण नैतिक मूल्यों का क्षरण भी है। उपभोक्तावाद, भौतिकता और त्वरित सफलता की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संवेदनहीन और स्वार्थी बना दिया है। आज सफलता का मापदंड केवल पैसा और शक्ति बन गया है।

बार्सिलोना ने 29वां ला लीगा खिताब जीता

रियल मैड्रिड को 2-0 से हराया, मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस ने गोल किए

मुंबई, एजेंसी

एफसी बार्सिलोना ने एक बार फिर स्पेनिश फुटबॉल में अपना दबदबा कायम करते हुए ला लीगा 2025-26 का खिताब अपने नाम कर लिया। रविवार को खेले गए बहुचर्चित एल क्लासिको मुकाबले में बार्सिलोना ने अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी Real Madrid को 2-0 से हराकर सीजन की ट्रॉफी पक्की कर ली। बार्सिलोना के घरेलू मैदान Camp Nou पर खेले गए इस मुकाबले में टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। जीत के साथ बार्सिलोना ने तीन मैच शेष रहते ला लीगा तालिका में ऐसी बढ़त बना ली, जिसे अब रियल मैड्रिड पार नहीं कर सकता। दोनों टीमों के बीच अंक अंतर 14 पहुंच गया है। यह बार्सिलोना का 29वां ला लीगा खिताब है। क्लब के खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने इस ऐतिहासिक जीत का जमकर जश्न मनाया। मैच खत्म होते ही कैंप नाउ में मौजूद हजारों फैंस खुशी से झूम उठे और पूरे स्टेडियम में बार्सिलोना

के नारों की गूंज सुनाई दी। मुकाबले की शुरुआत में ही बार्सिलोना ने दबाव बनाना शुरू कर दिया। टीम के लिए पहला गोल इंग्लैंड के स्टार फॉरवर्ड Marcus Rashford ने किया। मैनचेस्टर यूनाइटेड से लोन पर आए रशफोर्ड ने शानदार फ्री-किक के जरिए गेंद को सीधे गोलपोस्ट में पहुंचाया। रशफोर्ड का यह गोल मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। उन्होंने इस सीजन में अब तक 14 गोल दागे हैं और बार्सिलोना के आक्रमण को मजबूती दी है। उनके प्रदर्शन की जमकर तारीफ हो रही है।मैच के बाद सबसे ज्यादा चर्चा मार्कस रशफोर्ड के भविष्य को लेकर रही। रिपोर्ट्स के अनुसार, बार्सिलोना उन्हें करीब 28 मिलियन पाउंड यानी लगभग 300 करोड़ रुपये में स्थायी रूप से खरीदने पर विचार कर रहा है। हालांकि, इस पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है।मैच के बाद रशफोर्ड ने कहा,"मैं कोई जादूगर नहीं हूं, लेकिन अगर होता तो बार्सिलोना में ही रुक जाता। देखते हैं भविष्य में क्या होता है।"उनके इस बयान के बाद फैंस के बीच चर्चा और तेज हो गई है कि क्या वह अगले सीजन में भी बार्सिलोना की जर्सी में नजर आएंगे।

रियल मैड्रिड की मुश्किल बढ़ी: ड्रेसिंग रूम विवाद और खराब फॉर्म

दूसरी ओर, रियल मैड्रिड के लिए यह हार दर्दनाक रही। कोच अल्वारो अर्बेलोआ के मार्गदर्शन में टीम संघर्ष करती नजर आई। टीम के अंदरूनी हालात भी ठीक नहीं हैं। मैच से कुछ दिन पहले ऑरेलियन टचौमेनी और फेडेरिको वाल्वरडे के बीच बहस हुई थी। इसमें वाल्वरडे को चोट लगी और वे मैच नहीं खेल पाए। पूरे 90 मिनट में रियल मैड्रिड केवल एक शॉट टारगेट पर मार सकी।

होम ग्राउंड पर अजेय रही बार्सिलोना, 18 में 18 मैच जीते

इस सीजन में बार्सिलोना ने घरेलू मैदान 'कैम्प नोऊ' में खेले सभी 18 मुकाबले जीते हैं। टीम पिछले 11 मैचों से अजेय है और लीग के सभी 35 मैचों में गोल करने का रिकॉर्ड भी बनाया है। बार्सिलोना अब सबसे ज्यादा 36 ला लीगा खिताब जीतने वाली रियल मैड्रिड से 7 खिताब पीछे है।

भावुक हुए खिलाड़ी: हेड कोच के पिता को समर्पित की जीत

मैच के दौरान बार्सिलोना के खिलाड़ियों ने भावुक संदेश दिया। गोल करने के बाद मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस हेड कोच हंसी फ्लिक के पास गए और उन्हें गले लगाया। कोच फ्लिक के पिता का पिछले वीकेंड निधन हुआ था। खिलाड़ियों ने जीत और गोल को कोच और उनके परिवार को समर्पित किया।

ऑल इंडिया रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में स्केटर्स ने दिखाई रफ्तार

बालिका वर्ग में आर्ना पांडेय ने जीते 4 गोल्ड, क्रिप्टो स्केट्स वर्ल्ड ओवरऑल चैंपियन

देहरादून, एजेंसी

खेलो स्पोर्ट्स फाउंडेशन के तत्वावधान में डीपीएस दौलतपुर में आयोजित दो दिवसीय 'ऑल इंडिया रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप का समापन हो गया। 9 और 10 मई को आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देशभर से आए करीब 250 स्केटर्स ने पहियों पर अपनी रफ्तार और संतुलन का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। प्रतियोगिता में अपने शानदार खेल और सबसे ज्यादा मेडल जीतने के दम पर 'क्रिप्टो स्केट्स वर्ल्ड' ने ओवरऑल चैंपियन-शिप की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। इस चैंपियनशिप में बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने पदकों की झड़ी लगा दी। आर्ना पांडेय ने सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अकेले 4 स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इसके अलावा भाग्यश्री, आराध्या कुणियाल, गौरी

शर्मा, एकिशा बुटोला, मान्या नेगी, स्टैनजिन डोलकर और मैत्री नेगी ने भी 2-2 स्वर्ण पदक जीतकर अपना दबदबा कायम रखा। बालक वर्ग के मुकाबलों में भी कड़ी टक्कर देखने को मिली। अभिजीत शर्मा और सात्विक अग्रवाल ने शानदार संतुलन दिखाते हुए 2-2 स्वर्ण पदक झटके। वहीं, आदित्य चावला, सिद्धांत गैरोला, आशुतोष पांडेय, अभयराज सिंह, विराज सिंह परमार और शारविल प्रताप चौहान ने भी 1-1 स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। अभिजीत शर्मा, सात्विक अग्रवाल, आदित्य चावला, सिद्धांत गैरोला, आशुतोष पांडेय, अभयराज सिंह, विराज सिंह परमार स्वर्ण पदक विजेता बने। अगस्त्य गहलावत, पार्थ सिंह बोहरा, वत्सल चौहान, इक्षित भारती, शिवाय सिंह, इवान भारती, पवार सत्यम, समर्थ शर्मा और सुवीर गुलाटी ने रजत व कांस्य पदक जीता। आर्ना पांडेय, भाग्यश्री, आराध्या कुणियाल, गौरी शर्मा, एकिशा बुटोला, मान्या नेगी, स्टैनजिन डोलकर, मैत्री नेगी, अंशिका गौर, प्रिशा नेगी, शारविल प्रताप चौहान ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। वार्तिका कुणियाल, परिनिका रावत, पाविका शर्मा, मीनल अरोरा, वंशिका सेमवाल, सुशीला खुराना, मान्या शर्मा, आध्या अग्रवाल, श्रव्या भारती, समाया भंडारी, यशस्वी भंडारी, अन्वी गर्ग, रेबेका नेगी, नविका गोयल और श्रेष्ठा ज्याचंद्रा ने रजत व कांस्य पदक जीते।

फास्ट न्यूज

सीएम विजय ने स्टाफ की टेबल उठाने में की मदद

नई दिल्ली। तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री बने अभिनेता-राजनेता विजय ने रविवार को चेन्नई में हुए शपथ ग्रहण समारोह के बाद स्टेज पर रखी टेबल हटाने में स्टाफ की मदद की। कार्यक्रम में मौजूद कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी यह देखकर हैरान हो गए। दरअसल, शपथ ग्रहण समारोह के बाद राज्यपाल और अन्य नेताओं के साथ ग्रुप फोटो की तैयारी चल रही थी। इसी दौरान मंच पर रखी टेबल हटाई जा रही थी।

इस साल 50% उछला अदाणी पावर का शेयर

नई दिल्ली। साल 2026 में लगभग 50% की तेजी ने अदाणी पावर (Adani Power Share Price Today) को भारत की सबसे अधिक वैल्यू वाली लिस्टेड पावर कंपनी बना दिया है। इसकी मार्केट कैपिटल बढ़कर 4.24 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जो NTPC की 3.9 लाख करोड़ रुपये की मार्केट कैपिटल से अधिक है। ये Adani Group में भी सबसे ज्यादा वैल्यू वाली कंपनी बन गई है। अपने जैसी दूसरी कंपनियों के मुकाबले इसकी वैल्यूएशन में अंतर बहुत अधिक हो गया है। अकेले Adani Power की वैल्यू अब Tata Power (लगभग 1.4 लाख करोड़ रुपये), JSW Energy (98,000 करोड़ रुपये), Torrent Power (85,000 करोड़ रुपये) और CESC (24,000 करोड़ रुपये) की मिलाकर मार्केट कैप से भी अधिक है।

एसबीआई देने जा रहा 4000 नई नौकरी

नई दिल्ली। भारत का सबसे बड़ी सरकारी बैंक, एसबीआई (SBI New Jobs) नई भर्तियां करने जा रहा है। दरअसल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) ने अगले वर्ष तक 4,000 कर्मचारियों की भर्ती करने की योजना बनाई है ताकि एक मजबूत रिकवरी का गठन किया जा सके। एसबीआई अपने बढ़ते लोन पोर्टफोलियो के बीच एसेट क्वालिटी को सुरक्षित करने के लिए यह कदम उठा रहा है।

'विराट के खिलाफ बयान देने के लिए पैसे ऑफर हुए'

जर्मन मॉडल लिजलाज बोलीं- मुझे अलग-अलग मैगजीन से बहुत सारे कॉल आए

मुंबई, एजेंसी

जर्मन मॉडल लिजलाज ने हाल ही में दावा किया कि विराट कोहली द्वारा कथित तौर पर उनकी फोटो लाइक करने के बाद कुछ पत्रकारों ने उन्हें क्रिकेटर के खिलाफ गलत बयान देने के लिए पैसे ऑफर किए थे। फिल्मीमंत्रा को दिए इंटरव्यू में लिजलाज ने बताया कि विराट कोहली द्वारा कथित तौर पर पोस्ट लाइक किए जाने के बाद उन्हें लगातार लोगों के फोन आने लगे। सभी यही कह रहे थे कि विराट ने उनकी पोस्ट लाइक की है। अपने फेवरेट क्रिकेटर विराट द्वारा कथित तौर पर उनकी तस्वीर लाइक किए जाने पर लिजलाज ने कहा, 'मैं इससे बहुत खुश थी और थोड़ा इमोशनल भी हो गई थी, लेकिन मुझे बिल्कुल उम्मीद नहीं थी कि ऐसा कुछ होगा। मुझे अलग-अलग मैगजीन से इतने सारे कॉल आने लगेंगे। लिजलाज ने यह भी दावा किया, 'कुछ लोग आप पर ऐसी बातें बोलने का दबाव भी डालते हैं, जो

लिजलाज के इंस्टाग्राम पर साढ़े 5.21 लाख से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

आप कहना नहीं चाहते। कुछ पत्रकारों ने तो मुझे पैसे ऑफर किए ताकि मैं उनके (विराट कोहली) बारे में गलत बातें कहूं और ऐसे आरोप लगाऊं, जो उन्होंने कभी किए ही नहीं।' उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन मैं ऐसा क्यों करूंगी? मैंने खुद कहा था कि वो मेरे पसंदीदा क्रिकेटर हैं। फिर मैं पैसों के लिए उनके बारे में गलत बातें क्यों बोलूं? मैं ऐसी इंसान नहीं हूं।'

रकुल प्रीत के वायरल वीडियो पर मचा बवाल

प्रतिबंधित क्षेत्र में घूमने के आरोपों पर अधिकारियों का बयान- एंट्री गेट के बाहर शूट हुआ था वीडियो

मुंबई, एजेंसी

रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म Pati Patni Aur Woh Do को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म की रिलीज से पहले इसकी स्टारकास्ट Gir National Park पहुंची, जहां कलाकारों ने जंगल सफारी का आनंद लिया। इसी दौरान रकुल प्रीत सिंह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसने विवाद खड़ा कर दिया। वायरल वीडियो में रकुल सरकारी वाहन के पास टहलती दिखाई दे रही थीं। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने सवाल उठाए कि आखिर उन्हें प्रतिबंधित क्षेत्र में घूमने की अनुमति कैसे दी गई। कई लोगों ने इसे वन्यजीव नियमों का उल्लंघन बताते हुए अभिनेत्री को ट्रोल करना शुरू कर दिया। मामले ने तूल पकड़ा तो गिर राष्ट्रीय उद्यान प्रशासन की ओर से आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी किया गया। अधिकारियों ने साफ कहा कि वायरल वीडियो अभयारण्य के

प्रतिबंधित क्षेत्र के अंदर का नहीं, बल्कि एंट्री गेट के बाहर का है बयान में यह भी कहा गया कि अभयारण्य के अंदर प्रवेश करने के बाद किसी भी व्यक्ति को सफारी वाहन से बाहर निकलने की अनुमति नहीं होती। वायरल वीडियो में अभिनेत्री केवल प्रवेश द्वार के बाहर दिखाई दे रही हैं, जिसके बाद वह वहां से चली गईं और फिर वापस लौट आईं।

सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली। कुछ यूजर्स ने नियमों को लेकर सवाल उठाए, जबकि कई लोगों ने प्रशासन की सफाई के बाद अभिनेत्री का समर्थन किया। फिलहाल, प्रशासन की ओर से स्पष्ट कर दिया गया है कि घटना संरक्षित क्षेत्र के भीतर नहीं हुई थी और किसी प्रकार का नियम उल्लंघन सामने नहीं आया है।

फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' को लेकर बढ़ी चर्चा

पति पत्नी और वो दो में आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, रकुल प्रीत सिंह और वामिका गब्बी मुख्य किरदार में नजर आएंगी। यह फिल्म साल 2019 में आई पति पत्नी और वो का सीक्वल है। हालांकि, इस बार फिल्म की कहानी पहले से अलग बताई जा रही है।

प्रशासन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि संरक्षित क्षेत्र में प्रवेश के लिए निर्धारित एंट्री गेट होता है और अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि रकुल प्रीत सिंह ने किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं किया।

संविधान में नया प्रावधान जोड़ा, हमले में ईरानी सुप्रीम लीडर की मौत के बाद फैसला

किम जोंग की हत्या हुई तो नॉर्थ-कोरिया न्यूक्लियर अटैक करेगा

प्योंगयांग, एजेंसी

उत्तर कोरिया ने अपने संविधान और परमाणु नीति में बड़ा बदलाव करते हुए नया प्रावधान जोड़ा है। अब अगर देश के सुप्रीम लीडर किम जोंग-उन की हत्या हो जाती है या किसी विदेशी हमले के दौरान वे लीडरशिप करने की हालात में नहीं रहते, तो उत्तर कोरिया तुरंत परमाणु हमला करेगा। ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह बदलाव मार्च में तेहरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद किया गया। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी के मुताबिक, इन हमलों ने प्योंगयांग को सोचने पर मजबूर कर दिया और उत्तर कोरिया को डर सताने लगा कि भविष्य

लांकोव के मुताबिक, अगर किम जोंग-उन पर हमला होता है तो उत्तर कोरिया की मिलिट्री लीडरशिप परमाणु जवाबी कार्रवाई के आदेश का पालन करेगी, क्योंकि वहां के अधिकारी किसी भी विदेशी हमले को देश के अस्तित्व के लिए खतरा मानते हैं।

में ऐसा 'डिकैपिटेशन स्ट्राइक' यानी टॉप लीडरशिप को खत्म करने वाला हमला उसके खिलाफ भी हो सकता है।

उत्तर कोरिया को सैटेलाइट ट्रैकिंग तकनीक से डर

प्रोफेसर लांकोव ने कहा कि उत्तर कोरिया अब पारंपरिक जासूसी से ज्यादा सैटेलाइट ट्रैकिंग तकनीक से डरता है। उनका (किम जोंग) सबसे बड़ा डर सैटेलाइट तकनीक से मिलने वाली जानकारी है। उनकी चिंता गलत भी नहीं है, क्योंकि किसी भी संघर्ष की शुरुआत में लीडरशिप को खत्म करना निर्णायक साबित हो सकता है।

क्यों बदली गई उत्तर कोरिया की परमाणु नीति?

डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरान पर हुए हमलों ने उत्तर कोरिया की लीडरशिप को झकझोर दिया। हमलों की तेजी और सटीकता देखकर प्योंगयांग को लगा कि विदेशी शक्तियां किम जोंग-उन और उत्तर कोरियाई मिलिट्री लीडरशिप के खिलाफ भी इसी तरह का ऑपरेशन कर सकती हैं।

उत्तर कोरिया और कौन से सैन्य कदम उठा रहा है?

उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर दबाव बढ़ाते हुए बॉर्डर के पास लॉन्ग रेंज की आर्टिलरी सिस्टम तैनात करने की योजना भी घोषित की है। सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (KCNA) के मुताबिक, "नई प्रकार की 155 मिलीमीटर सेल्फ-प्रोपेल्ड गन-हाउ-इट्जर" के प्रोडक्शन का निरीक्षण किया।

यह नया आर्टिलरी सिस्टम 60 किमी से ज्यादा दूरी तक हमला कर सकती है और इसे इसी साल दक्षिण कोरिया सीमा के पास तैनात किया जाएगा। इससे राजधानी सियोल सीधे हमले की जद में आ सकती है। मुझे दक्षिण कोरिया की तरफ से ऐसे किसी हमले की संभावना नहीं दिखती, इसलिए किसी भी जवाबी कार्रवाई का निशाना अमेरिका होगा।

तेलुगु एक्टर भरत कांत का सड़क हादसे में निधन

करीबी दोस्त बिग बॉस फेम आशु रेड्डी ने की इमोशनल पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

तेलुगु एक्टर भरत कांत की हैदराबाद में एक सड़क हादसे में मौत हो गई। इस हादसे में सिनेमैटोग्राफर जी. साई त्रिलोक की भी जान चली गई। दुर्घटना आदिबाटला पुलिस स्टेशन क्षेत्र में आउटर रिंग रोड (ORR) के एग्जिट नंबर 12 के पास हुई। पुलिस ने बताया कि हादसा रविवार देर रात हुआ, जब कार पीछे से एक ट्रक से टकरा गई। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। आदिबाटला पुलिस ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच जारी है। भरत कांत ने 2021 की फिल्म ग्राममं और 2024 की फिल्म टेनेंट में काम किया था। उन्होंने वेब सीरीज गीतांजलि और पार्वती परमेश्वरुलु में भी एक्टिंग की थी। बिग बॉस फेम और टीवी एक्ट्रेस आशु रेड्डी ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर कर भरत कांत के निधन पर दुख जताया है। भरत कांत

उनके करीबी दोस्त थे। आशु रेड्डी ने इंस्टाग्राम पर भरत के साथ अपनी कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। उन्होंने लिखा, 'तुम्हारे बिना जो खालीपन आया है, वह कभी नहीं भरेगा। तुम हमेशा मेरे दिल में रहोगे।' उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, 'मुझे आपके निधन की खबर पर विश्वास नहीं हो रहा है। काश यह सच न होता। हम दोनों ने साथ में जो पल बिताए और जो प्यार आपने मुझे दिया, उसे मैं कभी नहीं भूलूंगी। आपके जाने का दुख कभी कम नहीं होगा। आप हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे।'

गिरावट : चांदी की कीमत में ₹300 की गिरावट, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

सोना ₹801 गिरकर ₹1.50 लाख पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी

सर्राफा बाजार में सोमवार 11 मई को सोना और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 24 कैरेट सोने की कीमत में 801 रुपए की कमी आई है। इसके बाद 10 ग्राम सोने का भाव घटकर 1,50,277 रुपए पहुंच गया। वहीं चांदी की कीमतों में भी नरमी देखने को मिली। एक किलो चांदी का दाम 300 रुपए कम होकर 2,55,300 रुपए पर आ गया है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव, डॉलर इंडेक्स और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों का असर घरेलू सर्राफा बाजार पर पड़ रहा है। कीमतों में गिरावट से ज्वेलरी खरीदने वाले ग्राहकों और निवेशकों को कुछ राहत मिल सकती है। हालांकि, आने वाले दिनों में वैश्विक बाजार की चाल, अमेरिकी आर्थिक आंकड़े और अंतरराष्ट्रीय तनाव की स्थिति के आधार पर सोने-चांदी के दाम में और बदलाव देखने को मिल सकता है।

असली चांदी की पहचान करने के 4 तरीके

- मैग्नेट टेस्ट: असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती। अगर चिपक जाए तो फेक है।
- आइस टेस्ट: सिल्वर पर बर्फ रखें। असली सिल्वर पर बर्फ तेजी से पिघलती है।
- स्मेल टेस्ट: असली सिल्वर में गंध नहीं होती। फेक में कॉपर जैसी गंध आती है।
- क्लॉथ टेस्ट: चांदी को सफेद कपड़े से रगड़ें। अगर काला निशान आए तो असली है।

प्रधानमंत्री मोदी बोले- सालभर तक सोना न खरीदें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि सालभर तक घर में कोई भी कार्यक्रम हो, हम सोने के गहने नहीं खरीदेंगे। क्योंकि ऐसा करने से विदेशी मुद्रा बचेगी। दरअसल, हमें सोना डॉलर में दूसरे देशों से मंगवाना पड़ता है, डॉलर महंगा होने से इस पर खर्च बढ़ जाता है।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।
2. कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

सेंसेक्स में 800 अंक की गिरावट

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार 11 मई को भारी गिरावट देखने को मिली। कारोबार के दौरान BSE Sensex करीब 800 अंक टूटकर 76,500 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं Nifty 50 में भी 200 अंकों से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई और यह 23,950 के आसपास कारोबार कर रहा था।बाजार में सबसे ज्यादा दबाव ऑटो, बैंकिंग और रियल्टी सेक्टर के शेयरों पर देखा गया। शुरुआती कारोबार से ही बिकवाली का माहौल बना रहा, जिससे निवेशकों में सतर्कता बढ़ गई।विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक बाजारों में कमजोरी, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक चिंताओं का असर भारतीय शेयर बाजार पर दिखाई दे रहा है। इसके अलावा कंपनियों के तिमाही नतीजों और वैश्विक तनावों को लेकर भी निवेशक सतर्क नजर आ रहे हैं।इससे पहले 8 मई को भी बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था। उस दिन BSE Sensex 516 अंक टूटकर 77,328 पर बंद हुआ था, जबकि Nifty 50 150 अंक गिरकर 24,176 के स्तर पर पहुंच गया था।विश्लेषकों का कहना है।

पीएम मोदी की अपील के बाद ज्वेलरी शेयर 10% टूटे

एक साल सोना न खरीदने को कहा, डिमांड 10% तक घट सकती है

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक बयान के बाद आज 11 मई को ज्वेलरी कंपनियों के शेयर 10% तक लुढ़क गए। पीएम मोदी ने हैदराबाद में एक कार्यक्रम के दौरान नागरिकों से अपील की है कि वे एक साल तक सोना न खरीदें। इस बयान के बाद निवेशकों में घबराहट है। कल्याण ज्वेलर्स और सेन्को गोल्ड के शेयर 10-10% तक टूट गए। वहीं, देश की सबसे बड़ी ज्वेलरी कंपनी टाइटन के शेयर में 7% की गिरावट है।

इसके अलावा पीएन गाडगिल 8%, थंगमयिल ज्वेलरी 6% और अन्य छोटे ज्वेलरी शेयरों में भी कमजोरी आई है। हैदराबाद में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने

विदेशी मुद्रा भंडार बचाने के लिए ये अपील की है।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। सेन्को गोल्ड के सुवंकर सेन ने CNBC से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री की टिप्पणी के बाद इस बात की संभावना बढ़ गई है कि सरकार सोने पर इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ा सकती है। अगर ऐसा होता है, तो सोने की डिमांड में 10% से 12% तक की कमी आ सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि ज्वेलरी एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंगलवार को प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल में भारत का सोना आयात पिछले तीन दशकों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच सकता है। बैंकों पर अचानक 3% इंटीग्रेटेड GST की मांग आने के बाद उन्होंने शिपमेंट रोक दी है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गोल्ड कंज्यूमर है।

वित्त वर्ष 2026 में भारत ने हर महीने औसतन 60 टन सोना आयात किया है। इस पर हर महीने करीब 6 बिलियन डॉलर यानी करीब 57 हजार करोड़ रुपए का खर्च आया है।

योगी सरकार में उच्च शिक्षा को दी नई उड़ान

यूनिवर्सिटीज की तर्ज पर अब डिग्री कॉलेजों को भी मिलेगी राष्ट्रीय रैंकिंग

- प्रदेश के विश्वविद्यालयों ने बदली पहचान, अब कॉलेजों को उत्कृष्ट बनाने की तैयारी।
- संस्थानों में गुणवत्ता सुधार, रिसर्च कल्चर, डिजिटल एजुकेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर और छात्र सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में योगी सरकार लगातार नए मानक स्थापित कर रही है। कभी नैक (नेशनल असेसमेंट एंड एक्रिडिटेशन काउंसिल) की रैंकिंग में बी और बी-प्लस ग्रेड तक सीमित रहने वाले प्रदेश के विश्वविद्यालय आज ए++, ए+ और ए ग्रेड हासिल कर देशभर में अपनी नई पहचान बना रहे हैं। अब योगी सरकार का अगला लक्ष्य प्रदेश के डिग्री कॉलेजों को भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग दिलाना है। इसके लिए डिग्री कॉलेज के प्रिंसिपल्स की कार्यशाला का आयोजन कर उन्हें रैंकिंग प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने विधानसभा में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अब सरकार का फोकस केवल विश्वविद्यालयों तक सीमित नहीं रहेगा। अगले चरण में प्रदेश के डिग्री कॉलेजों को भी नैक और अन्य राष्ट्रीय रैंकिंग दिलाने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए कॉलेजों के प्राचार्यों और शिक्षकों के लिए विशेष कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं, जिनमें उन्हें बताया जा रहा है कि संस्थानों में गुणवत्ता सुधार, रिसर्च कल्चर, डिजिटल एजुकेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर और छात्र सुविधाओं को बेहतर बनाकर किस प्रकार रैंकिंग हासिल की जा सकती है। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि कॉलेजों में छात्र संख्या बढ़ाने, नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम विकसित करने और रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। योगी सरकार का उद्देश्य प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब केवल सबसे अधिक विश्वविद्यालयों वाला राज्य नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का भी अग्रणी केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने कहा कि योगी सरकार आने से पहले उत्तर प्रदेश के अधिकांश विश्वविद्यालय नैक रैंकिंग में बी या बी-प्लस ग्रेड तक ही सीमित थे और प्रदेश का कोई भी विश्वविद्यालय ए या उससे ऊपर की श्रेणी में नहीं था। उन्होंने बताया कि राज्यपाल एवं विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के नेतृत्व में विश्वविद्यालयों के लिए विशेष कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

> उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया कि यही नहीं, उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालय अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। पहले प्रदेश में क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग का नाम तक सुनाई नहीं देता था, लेकिन अब प्रदेश के दो विश्वविद्यालय क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में शामिल हो चुके हैं, जबकि छह विश्वविद्यालय क्यूएस एशिया रैंकिंग में स्थान प्राप्त कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त तीन विश्वविद्यालय यूजीसी ग्रेड-1 श्रेणी में भी पहुंच चुके हैं।

हर पीड़ित को न्याय और हर पात्र को योजनाओं का लाभ दिलाना सरकार की प्राथमिकता : केशव प्रसाद मौर्य

जनता दर्शन में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सुनी जन समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैंप कार्यालय, 7-कालिदास मार्ग, लखनऊ में आयोजित 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित, प्रभावी एवं संतोषजनक निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनता दर्शन में बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं, बुजुर्ग, दिव्यांगजन एवं युवा उपस्थित रहे। लोगों ने भूमि विवाद, राजस्व प्रकरण, चिकित्सा सहायता, पेंशन, आवास, सड़क, बिजली-पानी, पुलिस कार्रवाई, शिक्षा एवं रोजगार से जुड़ी समस्याएं उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार अधिकारी मौके पर जाकर निरीक्षण करें तथा पीड़ितों को समयबद्ध राहत उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि 'जनता दर्शन' सरकार और आमजन के बीच सीधे संवाद का प्रभावी माध्यम है, जिससे वास्तविक समस्याओं की जानकारी मिलती है और उनका त्वरित समाधान संभव हो पाता है। श्री मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार जनहित और सुशासन के संकल्प के साथ कार्य कर रही है तथा हर पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कोई भी फरियादी निराश नहीं लौटेगा और प्रत्येक समस्या का हरसंभव समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता न रहे, बल्कि ऐसा समाधान किया जाए, जिससे पीड़ित व्यक्ति पूरी तरह संतुष्ट हो तथा उसे बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगजनों एवं कमजोर वर्गों से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। भूमि विवाद एवं अवैध कब्जों से संबंधित मामलों को गंभीरता से लेते हुए श्री मौर्य ने संबंधित जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर भेजकर निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

फास्ट न्यूज

सपा विधायक शाहिद मंजूर हाउस अरेस्ट

मेरठ। मेरठ में किठोर सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक शाहिद मंजूर को पुलिस ने पिछले 48 घंटे से हाउस अरेस्ट किया हुआ है। शाहिद मंजूर बुलंदशहर में प्रदर्शन कर रहे किसानों से मिलने उनके पास जा रहे थे। जहां जाने से उनको पुलिस ने रोक दिया है। पुलिस ने रविवार रात से ही शाहिद मंजूर को हाउस अरेस्ट किया है। शाहिद मंजूर ने बताया कि बुलंदशहर में गांव बाहव के किसान धरने पर बैठे हैं।

नाम के आगे महाराज लिखने पर बीजेपी-नेता को मारी गोली

लखनऊ। लखनऊ में भाजपा नेता चेतन तिवारी गोलीकांड में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस की पूछताछ में पता चला है कि मुख्य आरोपी वैभव बाजपेई 3 साल पहले तक चेतन का अच्छा दोस्त था। 3 साल पहले चेतन ने अपने नाम के आगे महाराज लिखना शुरू कर दिया। वैभव ने इसका विरोध किया। वैभव का कहना था कि उसके बाबा पुत्तन बाजपेई को लोगों ने सम्मानपूर्वक महाराज की उपाधि दी थी। वैभव के मना करने के बाद भी चेतन ने अपने नाम के आगे से महाराज लिखना नहीं बंद किया। इससे दोनों की दोस्ती दुश्मनी में बदल गई। हालांकि, पुलिस ने वैभव को जेल भेज दिया है। चेतन के परिजनों ने पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि वैभव ने चेतन पर एक साल पहले जानलेवा हमला किया था। उसकी रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, लेकिन उसकी रसूख की वजह से मामले में ठोस कार्रवाई नहीं हुई थी

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर ट्रक से टकराई बस

बिल्हौर। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर सोमवार तड़के एक डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। यह हादसा बिल्हौर के अरौल क्षेत्र में हुआ, जिसमें बस और ट्रक चालक सहित कुल 13 लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक पलट गया और बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस और यूपीडा कर्मी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया।

चुनाव खत्म होते ही 'संकट' याद आया, असली संकट भाजपा : अखिलेश यादव

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी Party के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि चुनाव समाप्त होते ही सरकार को 'संकट' याद आ गया। उन्होंने कहा कि देश के लिए सबसे बड़ा संकट भाजपा ही है।अखिलेश यादव ने कहा कि यदि इतनी पाबंदियां लगानी पड़ रही हैं तो फिर 'पंच ट्रिलियन डॉलर की जुमलाई अर्थव्यवस्था' कैसे बनेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के हाथ से व्यवस्था की लगाम पूरी तरह छूट चुकी है। डॉलर लगातार मजबूत हो रहा है, जबकि भारतीय रुपया कमजोर होता जा रहा है।उन्होंने कहा कि सोना न खरीदने की अपील जनता से नहीं बल्कि भाजपा नेताओं और उनके करीबियों से की जानी चाहिए, क्योंकि आम जनता तो पहले ही महंगाई से जूझ रही है। यादव ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा से जुड़े लोग अपनी काली कमाई को सोने में बदलने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि इसकी जानकारी "लखनऊ से गोरखपुर" और "अहमदाबाद से गुवाहाटी" तक ली जा सकती है। सपा अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि चुनाव के दौरान भाजपा नेताओं ने हजारों चार्टर विमान यात्राएं कीं, बड़े होटलों में ठहरे और बड़े पैमाने पर संसाधनों का इस्तेमाल किया, तब पाबंदियां क्यों याद नहीं आईं। उन्होंने कहा कि यदि हालात इतने गंभीर थे तो भाजपा को चुनाव प्रचार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए करना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि सारी पाबंदियां केवल आम जनता पर थोपी जा रही हैं।अखिलेश यादव ने कहा कि इस तरह की सरकारी अपीलों से बाजार, व्यापार और कारोबार में मंदी तथा महंगाई को लेकर भय और अनिश्चितता का माहौल बनता है। उन्होंने कहा कि सरकार का दायित्व संकट से जनता को बाहर निकालना होता है, न कि डर और अफरातफरी फैलाना।

सुबह-सुबह शराब न देने पर सेल्समैन की हत्या

लोहे की रॉड से ताबड़तोड़ वार किए, बचाने आए युवक को भी पीटा

- ग्रामीणों का आरोप है कि ठे-के की दीवार में होल करके उससे लोगों को अवैध रूप से शराब बेची जाती है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में शराब ठेका के सेल्समैन की लोहे की रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि एक व्यक्ति ने ठेका खुलने से पहले सेल्समैन से शराब मांगी। सेल्समैन ने मना किया, तो लोहे की रॉड से पीट-पीटकर उसको मार डाला। बीच-बचाव करने आए युवक को भी पीट दिया। घटना का एक्सक्लूसिव CCTV फुटेज संवाददाता को मिला है। उसमें दिख रहा है कि आरोपी रॉड से सेल्समैन को पीटता है। घटना सोमवार सुबह 8:30 बजे मलिहाबाद थाना क्षेत्र के ढेडेमऊ गांव में हुई। मृतक की पहचान सैय्यद बाड़ा निवासी अजय जायसवाल उर्फ रिंकू (35) पुत्र रामऔतार जायसवाल के रूप में हुई।

सिर में चोट लगने से हुई मौत

पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान ढेडेमऊ गांव निवासी ननक्के कश्यप के रूप में हुई है। वह शराब के ठेके के पास ही रहता है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। वह लोडर में हेल्पर था। जांच में आया है कि आरोपी ने अजय के सिर पर लोहे की रॉड से वार किए।

ग्रामीणों का आरोप- रात में अवैध रूप से 12 बजे तक बिकती है शराब

स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र में देशी और अंग्रेजी शराब की दुकानों पर देर रात तक अवैध रूप से शराब बेची जाती है। अवैध कैंटीन भी संचालित हो रही हैं, जहां रात करीब 12 बजे तक अवैध रूप से शराब की बिक्री होती है। अवैध रूप से शराब बेचने वालों ने ठेके की दीवार में होल बना रखा है। उसमें से ही लोगों को अवैध रूप शराब बेचते हैं। लोगों से अधिक दाम वसूलते हैं। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। ग्रामीणों ने आबकारी विभाग और प्रशासन से इन अवैध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

ठेके से 2 किलोमीटर दूर रहता था सेल्समैन

स्थानीय लोगों ने बताया कि ठेके के 4 पार्टनर हैं। अजय करीब 2 साल से ठेके पर काम करता था। ठेके से करीब 2 किलोमीटर दूरी पर उसका घर है। वह घर से ही रोज आता-जाता था। सोमवार सुबह करीब 8:30 बजे वह ठेके के बाहर पहुंचा था। मृतक अजय के परिवार में मां मीरा देवी, पत्नी हेमा जायसवाल, बेटियां खुशी व माही, बेटा कृष्णा और छोटा भाई अमित जायसवाल है। मृतक की पत्नी हेमा ने पुलिस को आरोपी के खिलाफ नामजद तहरीर दी है।

> पुलिस उपायुक्त उत्तरी गोपाल कृष्ण चौधरी ने बताया- आरोपी नशे की हालत में शराब देने पहुंचा था। इस दौरान उसकी सेल्समैन से विवाद हो गया। उसने रॉड से मारकर उसकी हत्या कर दी। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

टोटी चोरी के आरोपी के शव के पंचनामा में गड़बड़ी

लखनऊ। लखनऊ में रेलवे के नल की टोटियां चोरी करने के आरोप में रेलवे सुरक्षा बल (RPF) द्वारा हिरासत में लिए गए 55 वर्षीय प्रभात कुमार कन्नौजिया की 9 मई, शनिवार तड़के इलाज के दौरान मौत हो गई।

10 मई, रविवार देर शाम उनका पिपराघाट पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। हालांकि, पोस्टमॉर्टम और पंचनामा की प्रक्रिया में देरी होने से परिजनों को शव काफी देर से मिला। सूत्रों ने बताया कि पंचनामा में गड़बड़ी की वजह से पोस्टमॉर्टम में देरी हुई। RPF ने मामले में कोर्ट ऑफ इंक्वायरी बैठाई है। 3 सदस्यीय जांच कमेटी भी बनाई है।

जांच कमेटी जिस दिन से मामले की जांच शुरू करेगी उसके 30 दिन के अंदर अपनी रिपोर्ट देगी। प्रभात कुमार कन्नौजिया सदर लालकुर्ती इलाके के रहने वाले थे।

गोमतीनगर रेलवे स्टेशन यार्ड में संविदा पर सफाई कर्मी के रूप में काम करते थे।

वह सीरियल किलर सलीम की पत्नी व छावनी परिषद की पूर्व उपाध्यक्ष अंजुम आरा की बहन मौनू का पति थे।

पुलिस की वर्दी पहनकर लूट करने वाले गैंग का खुलासा

एजेंसी के एजेंट से लिफ्ट लेकर उड़ाए थे 1 लाख, 200 सीसीटीवी से गैंग तक पहुंची पुलिस

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर की कलक्टरगंज पुलिस ने एजेंसी के एजेंट से 1 लाख की लूट करने के मामले में दो आरोपियों को अरेस्ट करके हुए सोमवार को खुलासा कर दिया। कन्नौज निवासी शातिर लुटेरों ने लिफ्ट के बहाने वारदात को अंजाम दिया और कन्नौज भाग निकले थे। शातिर पुलिस की वर्दी पहनकर वारदात को अंजाम देते थे। इससे लोग पहले इनपर भरोसा करते और फिर ये वारदात करके फरार हो जाते। शातिरों के पास से पुलिस की वर्दी और कैप भी बरामद हुई है। जबकि पकड़े गए बदमाशों को तीसरा साथी भाग निकला, पुलिस उसकी तलाश में दबिश दे रही है। एडीसीपी ईस्ट शिवा सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पकड़े गए गैंग का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि विष्णुपुरी निवासी कुलदीप शर्मा एक न्यूजपेपर के घंटाघर सेंटर के एजेंट हैं। कुलदीप 29 मई को रोज की तरह अपना काम करके घर लौट रहे थे। इस दौरान उन्हें पुलिस की वर्दी में बाइक सवार और उसके पीछे दो युवक बैठे थे। बाइक सवार ने कहा कि एक युवक को मूलगंज चौराहा पर छोड़ देना। मैंने पुलिस वाला समझकर मानवता दिखाते हुए युवक को अपनी बाइक पर पीछे बैठा लिया और मूलगंज में छोड़ दिया। बाइक पर बैठने के दौरान युवक की गतिविधियां कुछ संदिग्ध लग रही थीं, युवक के उतरने के बाद उन्होंने अपनी जेब चेक की तो दंग रह गए। जेब में रखा एक लाख रुपए कैश गायब था और जेब कटी हुई थी। उन्होंने फौरन कलक्टरगंज थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में 1 मई को जांच-पड़ताल के बाद एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी। जहां से युवक को लिफ्ट दी, वहां से मूलगंज चौराहा तक के सीसीटीवी चेक किया। पुलिस को बाइक सवार युवकों की तस्वीर मिल गई। इसके बाद बाइक नंबर और सर्विलांस की मदद से तलाश शुरू की और सोमवार को वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों कन्नौज के इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के जगतपुर निवासी रोहित कंजड़ उर्फ भंगी उर्फ ऋषभ उर्फ रोहन और कन्नौज के दौलतपुर ठठिया निवासी बृजेश को अरेस्ट कर लिया।

वारदात : अश्लील फोटो-वीडियो बनाए ■ धर्म न बदलने पर वायरल किए ■ लखनऊ में गिरफ्तार

शोएब ने सौरभ बनकर हिंदू लड़की से दोस्ती की

- सनातन संघ संगठन के जिला अध्यक्ष अभय सिंह चौहान ने अवैध तरीके से फंडिंग करने का भी आरोप लगाया है।
- भाजपा नेता ने शोएब की गतिविधियों पर करीब एक माह पहले सवाल उठाए थे।

तमसा संकेत, एजेंसी

■ आरोप है कि शोएब अख्तर ने नाबालिग लड़कियों को फंसाकर उनके आपत्तिजनक फोटो-वीडियो बनाए हैं।

लखनऊ। लखनऊ के सैरपुर थाना क्षेत्र में मुस्लिम युवक पर हिंदू लड़की का धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि मुस्लिम युवक ने हिंदू बनकर इंस्टाग्राम के जरिए 15 साल की हिंदू लड़की से दोस्ती की। उसके साथ छेड़छाड़ करके अश्लील फोटो-वीडियो बनाए। उसके बाद धर्मांतरण का दबाव बनाया। धर्मांतरण न करने पर उसने लड़की के अश्लील फोटो-वीडियो वायरल कर दिए।

पीड़ित लड़की ने भी पुलिस को दी शिकायत

रविवार को 15 साल की पीड़ित लड़की ने भी सैरपुर थाने में शोएब अख्तर के खिलाफ शिकायत दी। लड़की ने आरोप लगाया कि शोएब अख्तर ने अपना नाम और धर्म छिपाकर खुद को सौरभ सिंह बताते हुए करीब 2 साल पहले इंस्टाग्राम के जरिए दोस्ती की।

> बीकेटी विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी व भाजपा प्रवक्ता संजय सिंह ने करीब एक माह पहले आरोपी शोएब को लेकर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कि युवक मुस्लिम होने के बावजूद हिंदू नाम से इंस्टाग्राम अकाउंट चला रहा है।

सनातन संघ संगठन के लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

सनातन संघ संगठन के लोगों ने रविवार शाम को शोएब अख्तर को पकड़कर सैरपुर थाना पुलिस को सौंपा।

पुलिस ने धर्मांतरण समेत गंभीर धाराओं में दर्ज किया मुकदमा

पुलिस के अनुसार, पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी शोएब अख्तर के खिलाफ धर्मांतरण, आईटी एक्ट समेत अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। एडीसीपी नॉर्थ ट्विंकल जैन ने बताया कि आरोपी शोएब पुलिस गिरफ्त में है।

पृष्ठ 01 का शेष...

'दुनिया की ...

इससे रविवार सुबह करीब 11 बजे वे कर्टानक के बेंगलुरु पहुंचे थे। यहां 'आर्ट ऑफ लिविंग' के 45वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए। इसके बाद दोपहर करीब 3 बजे तेलंगाना के हैदराबाद पहुंचे। यहां उन्होंने 9,400 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके बाद रात करीब 9 बजे गुजरात के जामनगर पहुंचे। वडोदरा में कार्यक्रम के पीएम शाम को दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

टीएमसी 31 ...

कुल 293 सीटों में से 176 पर जीत का अंतर 30 हजार से कम और 117 सीटों पर 30 हजार से अधिक रहा। बंगाल में 30 हजार से कम मार्जिन पर जीत वाली 176 सीटों में भाजपा की 128 सीटें हैं। वहीं, 30 हजार से ज्यादा मार्जिन पर जीत वाली 117 सीटों में भाजपा की 79 सीटें हैं। तृणमूल की 44 सीटों पर जीत का मार्जिन 30 हजार से कम और 36 सीटों पर 30 हजार से अधिक रहा है। 2021 में भाजपा की 77 में से 72 सीटों पर जीत का मार्जिन 30 हजार से कम था। प्रतिशत में देखें तो भाजपा ने इस बार 62% सीटें 30 हजार से कम मार्जिन पर जीतीं, जबकि 2021 में ऐसी 93.5% थीं। साल 2021 में 121 सीटों पर तृणमूल की जीत का अंतर 30 हजार से कम था और 94 पर 30 हजार से ज्यादा। यानी बहुमत वाले दल के लिए ये आंकड़े ट्रेंड दर्शाते हैं। इस बार भाजपा की 25 सीटें ऐसी हैं, जहां हटाए या अयोग्य घोषित मतदाताओं की संख्या जीत के अंतर से अधिक है। सुप्रीम कोर्ट ने 13 अप्रैल ने कहा था कि चुनाव परिणाम में तभी दखल दिया जाएगा, जब बड़ी संख्या में मतदाता बाहर किए गए हों और वह संख्या जीत के अंतर को प्रभावित करती हो। जस्टिस बागची ने आयोग से कहा था कि मान लीजिए कि जीत का अंतर 2% है और 15% मतदाता वोट नहीं डाल सके, तो हमें इस पर सोचना होगा। यह चिंता का मामला हो सकता है। यह मत समझिए कि बाहर किए गए मतदाताओं का सवाल हमारे दिमाग में नहीं है। मान लीजिए विजेता को 1 लाख वोट मिले और निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 95 हजार वोट तो मार्जिन हुआ 5 हजार वोट। अगर हटाए गए वोट 5 हजार से कम हैं तो असर नहीं। लेकिन ज्यादा हैं तो नतीजों पर असर संभव।

बंगाल सीएम...

पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों की पहचान को टोल प्लाजा के CCTV फुटेज और वाहन की तस्वीरों से मैच कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक हमलावरों ने पहचान छिपाने और मूवमेंट छुपाने के लिए कई तरीके अपनाए थे। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि चंद्रनाथ रथ की स्कोर्पियो को सिल्वर रंग की निसान माइक्रा कार से रोका गया था। इसके बाद बाइक सवार हमलावरों ने उन पर फायरिंग की। हत्या के बाद आरोपी माइक्रा कार घटनास्थल पर छोड़कर लाल रंग की कार और बाइक से फरार हो गए। CCTV में यही लाल कार टोल प्लाजा पर स्पॉट हुई। पुलिस अब हत्या की साजिश, फंडिंग और अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है। तीनों आरोपियों को आज बारासात कोर्ट में पेश करेगी। बंगाल पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद रथ की हत्या में सुपारी किलर के शामिल होने की आशंका जताई थी। पुलिस ने कहा कि शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि रथ की हत्या प्लानिंग के तहत की गई और इसमें प्रोफेशनल शूटर शामिल हो सकते हैं। पुलिस ने घटनास्थल से एक कार जब्त की, जिससे रथ की स्कॉर्पियो का पीछा किया गया था। कार की नंबर प्लेट फर्जी निकली। कार का चेसिस और इंजन नंबर मिटाया गया था। इसके अलावा, हमले में दो बाइक शामिल थीं। इनमें से एक मोटरसाइकिल भी घटनास्थल से करीब 4 किमी दूर चाय की दुकान के पास मिली। उसपर भी फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। चंद्रनाथ पहले एयरफोर्स में अफसर थे। VRS लेने के बाद कुछ समय कॉर्पोरेट सेक्टर में काम किया। इसके बाद राजनीति में आ गए। सुवेंदु जब तृणमूल कांग्रेस में थे, तब से चंद्रनाथ उनके लिए काम कर रहे थे। उन्हें सुवेंदु अधिकारी के बेहद करीबी लोगों में गिना जाता था। चंद्रनाथ 2019 में सुवेंदु की ऑफिशियल टीम का हिस्सा बने, तब सुवेंदु ममता बनर्जी सरकार में मंत्री थे। चंद्रनाथ ने भवानीपुर में सुवेंदु के चुनाव अभियान की जिम्मेदारी संभाली थी। भवानीपुर वही सीट है जहां से सुवेंदु ने ममता बनर्जी को विधानसभा चुनाव में करीब 15 हजार वोटों से हराया है। सुवेंदु की तरह चंद्रनाथ का परिवार भी पहले TMC से जुड़ा था।

बीएसएफ को ...

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए BSF को जमीन ट्रांसफर करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसे 45 दिनों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। आयुष्मान भारत योजना समेत केंद्र की सभी योजनाएं जल्द ही लागू होंगी। उज्ज्वला योजना से जुड़ी सभी लंबित याचिकाएं केंद्र के पास भेजी गई हैं।

भारत, बांग्लादेश के साथ 4,097 किलोमीटर लंबी बॉर्डर शेयर करता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार लगभग 3,240 किलोमीटर की सीमा पर बाड़ लगाई जा चुकी है और लगभग 850 किलोमीटर, जिसमें 175 किलोमीटर का दुर्गम भूभाग भी शामिल है, CM अधिकारी ने दावा किया कि प्रस्तावित 127 किलोमीटर के खंड में से केवल लगभग 8 किलोमीटर के हिस्से को ही ममता बनर्जी की सरकार के कार्यकाल में फेंसिंग की गई थी।

जम्मू-तवी एक्सप्रेस में हुई यात्री की हत्या

बाथरूम से निकलते ही सिर में गोली मारी

तमसा संकेत, एजेंसी

■ रविवार को गाजीपुर के मंगरू की पैसेंजर ट्रेन में गोली मारकर बदमाशों ने हत्या कर दी थी।

वाराणसी। वाराणसी में जम्मू-तवी एक्सप्रेस ट्रेन के एक यात्री की गोली मारकर हत्या कर दी गई। रविवार रात 2 बजे बाथरूम से निकलते ही बदमाशों ने उसके सिर में गोली मार दी। गोली की आवाज सुनते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों ने तुरंत रेलवे पुलिस को सूचना दी। इसी बीच ट्रेन की रफ्तार धीमी हुई और हमलावर ट्रेन से कूदकर फरार हो गए। घटना मुगलसराय रेलवे स्टेशन से करीब 3 किमी पहले ब्लॉक हट-बी के पास हुई। मृतक दिनेश साहू (42) बिहार के गया जिले के रहने वाले थे। वह परिवार के साथ सीतापुर के नैमिषारण्य जा रहे थे। ट्रेन में दो दिन में हत्या की यह दूसरी वारदात है। इससे पहले रविवार को पैसेंजर ट्रेन में गाजीपुर के रहने वाले एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बिहार के गया जिले के पिपरिया गांव के रहने वाले दिनेश साहू कोलकाता-जम्मू तवी एक्सप्रेस से सीतापुर के नैमिषारण्य धाम जा रहे थे।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676